## Resource: अनुवाद प्रश्न (unfoldingWord)

**unfoldingWord® Translation Questions** © 2022 unfoldingWord. Released under CC BY-SA 4.0 license. unfoldingWord® Translation Questions has been adapted in the following languages: Tok Pisin, Arabic (عربي), French (Français), Hindi (हिंदी), Indonesian (Bahasa Indonesia), Portuguese (Português), Russian (Русский), Spanish (Español), Swahili (Kiswahili), and Simplified Chinese (简体中文) from unfoldingWord® Translation Questions © 2022 unfoldingWord. Released under CC BY-SA 4.0 license by Mission Mutual

# अनुवाद प्रश्न (unfoldingWord)

## EXO

*निर्गमन 1:1, निर्गमन 1:5, निर्गमन 1:8, निर्गमन 1:8 (#2), निर्गमन 1:11, निर्गमन 1:12, निर्गमन 1:16, निर्गमन 1:17, निर्गमन 1:19, निर्गमन 1:22, निर्गमन 2:2, निर्गमन 2:3, निर्गमन 2:4, निर्गमन 2:5, निर्गमन 2:7–8, निर्गमन 2:10, निर्गमन 2:12, निर्गमन 2:13, निर्गमन 2:15, निर्गमन 2:17, निर्गमन 2:24, निर्गमन 3:1, निर्गमन 3:2, निर्गमन 3:4, निर्गमन 3:5, निर्गमन 3:8, निर्गमन 3:10, निर्गमन 3:12, निर्गमन 3:14, निर्गमन 3:18, निर्गमन 3:19, निर्गमन 4:2, निर्गमन 4:4, निर्गमन 4:4 (#2), निर्गमन 4:6, निर्गमन 4:12, निर्गमन 4:14, निर्गमन 4:16, निर्गमन 4:19, निर्गमन 4:21, निर्गमन 4:22–23, निर्गमन 4:24, निर्गमन 4:27, निर्गमन 4:30, निर्गमन 5:1, निर्गमन 5:3, निर्गमन 5:6–7, निर्गमन 5:11, निर्गमन 5:14, निर्गमन 5:15–16, निर्गमन 5:20, निर्गमन 5:22, निर्गमन 6:1, निर्गमन 6:2, निर्गमन 6:5, निर्गमन 6:8, निर्गमन 6:12, निर्गमन 6:18, निर्गमन 6:20, निर्गमन 6:23, निर्गमन 6:26, निर्गमन 7:1, निर्गमन 7:3, निर्गमन 7:5, निर्गमन 7:9, निर्गमन 7:11, निर्गमन 7:15, निर्गमन 7:17, निर्गमन 7:19, निर्गमन 7:22, निर्गमन 7:24, निर्गमन 8:2, निर्गमन 8:3, निर्गमन 8:6, निर्गमन 8:9, निर्गमन 8:15, निर्गमन 8:17, निर्गमन 8:18, निर्गमन 8:21, निर्गमन 8:22, निर्गमन 8:25–26, निर्गमन 8:32, निर्गमन 9:3, निर्गमन 9:7, निर्गमन 9:8–9, निर्गमन 9:11, निर्गमन 9:15–16, निर्गमन 9:19, निर्गमन 9:20, निर्गमन 9:25, निर्गमन 9:27, निर्गमन 9:32, निर्गमन 10:1–2, निर्गमन 10:5, निर्गमन 10:9–11, निर्गमन 10:13, निर्गमन 10:16, निर्गमन 10:19, निर्गमन 10:22, निर्गमन 10:24, निर्गमन 10:28, निर्गमन 11:1–2, निर्गमन 11:3, निर्गमन 11:5, निर्गमन 11:6, निर्गमन 12:3, निर्गमन 12:4, निर्गमन 12:6, निर्गमन 12:8, निर्गमन 12:10, निर्गमन 12:13, निर्गमन 12:15, निर्गमन 12:16, निर्गमन 12:18, निर्गमन 12:22, निर्गमन 12:23, निर्गमन 12:26–27, निर्गमन 12:30, निर्गमन 12:35, निर्गमन 12:39, निर्गमन 12:41, निर्गमन 12:43, निर्गमन 12:48, निर्गमन 13:1–2, निर्गमन 13:4, निर्गमन 13:9, निर्गमन 13:13, निर्गमन 13:17, निर्गमन 13:19, निर्गमन 13:21, निर्गमन 14:5, निर्गमन 14:9, निर्गमन 14:12, निर्गमन 14:14, निर्गमन 14:17, निर्गमन 14:20, निर्गमन 14:21, निर्गमन 14:24, निर्गमन 14:28, निर्गमन 14:31, निर्गमन 15:1, निर्गमन 15:5, निर्गमन 15:8, निर्गमन 15:13, निर्गमन 15:14, निर्गमन 15:17, निर्गमन 15:20, निर्गमन 15:23, निर्गमन 15:25, निर्गमन 16:1, निर्गमन 16:3, निर्गमन 16:4, निर्गमन 16:8, निर्गमन 16:10, निर्गमन 16:14–15, निर्गमन 16:18, निर्गमन 16:20, निर्गमन 16:22, निर्गमन 16:24, निर्गमन 16:27, निर्गमन 16:29, निर्गमन 16:31, निर्गमन 16:32, निर्गमन 16:33–34, निर्गमन 16:35, निर्गमन 17:1–3, निर्गमन 17:4, निर्गमन 17:6, निर्गमन 17:9, निर्गमन 17:11, निर्गमन 17:12, निर्गमन 17:14, निर्गमन 18:1, निर्गमन 18:2–4, निर्गमन 18:6, निर्गमन 18:7, निर्गमन 18:9, निर्गमन 18:11, निर्गमन 18:12, निर्गमन 18:13, निर्गमन 18:15–16, निर्गमन 18:17–18, निर्गमन 18:21, निर्गमन 18:22, निर्गमन 19:1, निर्गमन 19:5, निर्गमन 19:9, निर्गमन 19:10, निर्गमन 19:12, निर्गमन 19:13, निर्गमन 19:16, निर्गमन 19:22, निर्गमन 19:24, निर्गमन 20:3, निर्गमन 20:4–5, निर्गमन 20:5, निर्गमन 20:7, निर्गमन 20:8, निर्गमन 20:10, निर्गमन 20:11, निर्गमन 20:12, निर्गमन 20:18, निर्गमन 20:19, निर्गमन 20:25, निर्गमन 21:1, निर्गमन 21:4, निर्गमन 21:6, निर्गमन 21:8, निर्गमन 21:9–11, निर्गमन 21:13, निर्गमन 21:17, निर्गमन 21:18–19, निर्गमन 21:20–21, निर्गमन 21:22, निर्गमन 21:23–25, निर्गमन 21:26–27, निर्गमन 21:29, निर्गमन 21:33–34, निर्गमन 21:35, निर्गमन 22:2–3, निर्गमन 22:3, निर्गमन 22:7–8, निर्गमन 22:10–11, निर्गमन 22:16, निर्गमन 22:21, निर्गमन 22:22–24, निर्गमन 22:26, निर्गमन 22:31, निर्गमन 23:5, निर्गमन 23:8, निर्गमन 23:11, निर्गमन 23:12, निर्गमन 23:15, निर्गमन 23:15 (#2), निर्गमन 23:16, निर्गमन 23:18, निर्गमन 23:21, निर्गमन 23:24, निर्गमन 23:29, निर्गमन 23:33, निर्गमन 24:1, निर्गमन 24:4, निर्गमन 24:5–6, निर्गमन 24:8, निर्गमन 24:9–10, निर्गमन 24:12, निर्गमन 24:14, निर्गमन 24:17, निर्गमन 25:2, निर्गमन 25:7, निर्गमन 25:8, निर्गमन 25:10–11, निर्गमन 25:14, निर्गमन 25:15, निर्गमन 25:20, निर्गमन 25:22, निर्गमन 25:23–24, निर्गमन 25:27, निर्गमन 25:29, निर्गमन 25:31–32, निर्गमन 25:33–34, निर्गमन 25:35, निर्गमन 25:39, निर्गमन 26:1, निर्गमन 26:5, निर्गमन 26:7, निर्गमन 26:12, निर्गमन 26:17, निर्गमन 26:19, निर्गमन 26:30, निर्गमन 26:33, निर्गमन 26:35, निर्गमन 27:2, निर्गमन 27:3, निर्गमन 27:9, निर्गमन 27:19, निर्गमन 27:21, निर्गमन 28:1, Exodus 28:5, निर्गमन 28:9, निर्गमन 28:10, निर्गमन 28:12, निर्गमन 28:15–16, निर्गमन 28:17, निर्गमन 28:20, निर्गमन 28:24, निर्गमन 28:28, निर्गमन 28:30, निर्गमन 28:31–32, निर्गमन 28:35, निर्गमन 28:36–38, निर्गमन 28:40, निर्गमन 28:42, निर्गमन 29:1–2, निर्गमन 29:4, निर्गमन 29:9, निर्गमन 29:13, निर्गमन 29:18, निर्गमन 29:20, निर्गमन 29:21, निर्गमन 29:22, निर्गमन 29:26–28, निर्गमन 29:30, निर्गमन 29:31, निर्गमन 29:37, निर्गमन 29:39, निर्गमन 29:40, निर्गमन 29:42, निर्गमन 29:45, निर्गमन 30:4, निर्गमन 30:6, निर्गमन 30:8–9, निर्गमन 30:10, निर्गमन 30:12, निर्गमन 30:16, निर्गमन 30:18, निर्गमन 30:20, निर्गमन 30:23–25, निर्गमन 30:32, निर्गमन 30:33, निर्गमन 30:38, निर्गमन 31:3–5, निर्गमन 31:6, निर्गमन 31:14, निर्गमन 31:17, निर्गमन 31:18, निर्गमन 32:1, निर्गमन 32:4, निर्गमन 32:6, निर्गमन 32:8, निर्गमन 32:11, निर्गमन 32:14, निर्गमन 32:15, निर्गमन 32:17, निर्गमन 32:19, निर्गमन 32:20, निर्गमन 32:24, निर्गमन 32:25, निर्गमन 32:26, निर्गमन 32:28, निर्गमन 32:29, निर्गमन 32:32, निर्गमन 32:35, निर्गमन 33:2, निर्गमन 33:3, निर्गमन 33:5, निर्गमन 33:9,*

*निर्गमन 33:11, निर्गमन 33:13, निर्गमन 33:16, निर्गमन 33:19, निर्गमन 33:20, निर्गमन 33:23, निर्गमन 34:1, निर्गमन 34:3, निर्गमन 34:5, निर्गमन 34:7, निर्गमन 34:10, निर्गमन 34:12, निर्गमन 34:14, निर्गमन 34:15–16, निर्गमन 34:18, निर्गमन 34:20, निर्गमन 34:21, निर्गमन 34:23, निर्गमन 34:24, निर्गमन 34:26, निर्गमन 34:28, निर्गमन 34:30, निर्गमन 34:33, निर्गमन 34:34, निर्गमन 35:3, निर्गमन 35:5, निर्गमन 35:20, निर्गमन 35:21, निर्गमन 35:27, निर्गमन 35:30, निर्गमन 36:1, निर्गमन 36:3, निर्गमन 36:6, निर्गमन 36:11, निर्गमन 36:13, निर्गमन 36:18, निर्गमन 36:24, निर्गमन 36:33, निर्गमन 36:38, निर्गमन 37:1, निर्गमन 37:5, निर्गमन 37:9, निर्गमन 37:16, निर्गमन 37:19, निर्गमन 37:24, निर्गमन 37:26, निर्गमन 37:29, निर्गमन 38:1, निर्गमन 38:7, निर्गमन 38:8, निर्गमन 38:16, निर्गमन 38:17, निर्गमन 38:21, निर्गमन 38:24, निर्गमन 38:26, निर्गमन 39:5, निर्गमन 39:6, Exodus 39:10, निर्गमन 39:17–18, निर्गमन 39:21, निर्गमन 39:22–23, निर्गमन 39:25, निर्गमन 39:30, निर्गमन 39:43, निर्गमन 40:2, निर्गमन 40:3, निर्गमन 40:7, निर्गमन 40:11, निर्गमन 40:20, निर्गमन 40:26, निर्गमन 40:31–32, निर्गमन 40:35, निर्गमन 40:36*

## निर्गमन 1:1

**इस्राएल के पुत्र अपने-अपने घराने को लेकर याकूब के साथ किस देश में आए थे?**

इस्राएल के पुत्र अपने-अपने घराने को लेकर याकूब के साथ मिस्र में आए थे।

## निर्गमन 1:5

**याकूब के निज वंशजों की कुल संख्या कितनी थी?**

याकूब के निज वंशजों की कुल संख्या सत्तर प्राणी थी।

## निर्गमन 1:8

**कौन हैं जो यूसुफ को नहीं जानता था?**

मिस्र में एक नया राजा जो गद्दी पर बैठा वो यूसुफ को नहीं जानता था।

## निर्गमन 1:8 (#2)

**मिस्र के राजा ने क्या सोचा कि होगा, यदि उन्होंने इस्राएलियों के साथ बुद्धिमानी से व्यवहार नहीं किया?**

मिस्र के राजा को यह भय था कि इस्राएली बढ़ते रहेंगे, और यदि युद्ध छिड़ गया, तो वे मिस्रियों के शत्रुओं के साथ मिलकर उनके विरुद्ध युद्ध करेंगे और देश छोड़ देंगे।

## निर्गमन 1:11

**नियुक्त बेगारी करानेवालों ने इस्राएली को कैसे दुख दिया?**

बेगारी करानेवालों ने उन पर भार डाल-डालकर उनको दुःख दिया।

## निर्गमन 1:12

**ज्यों-ज्यों मिस्री उनको दुःख देते गए त्यों-त्यों क्या हुआ?**

ज्यों-ज्यों मिस्री उनको दुःख देते गए त्यों-त्यों इस्राएली बढ़ते और फैलते चले गए।

## निर्गमन 1:16

**दाइयों को मिस्र के राजा ने बेटा उत्पन्न होने पर क्या करने की आज्ञा दी?**

मिस्र के राजा ने बेटा होने पर उन्हें मार डालने को कहा।

## निर्गमन 1:17

**दाइयों ने मिस्र के राजा के आज्ञा का पालन क्यों नहीं किया?**

क्योंकि दाइयाँ परमेश्वर का भय मानती थी इसलिए उन्होंने मिस्र के राजा की आज्ञा का पालन नहीं किया।

## निर्गमन 1:19

**दाइयों ने कैसे कहा कि इब्री स्त्रियाँ मिस्री स्त्रियों के समान नहीं हैं?**

दाइयों ने कहा कि इब्री स्त्रियाँ ऐसी फुर्तीली हैं कि दाइयों के पहुँचने से पहले ही उनके बच्चे उत्पन्न हो जाते है।

## निर्गमन 1:22

**फ़िरौन ने अपने सभी लोगों को इब्रियों बेटे उत्पन्न होंने पर क्या करने का आदेश दिया?**

फ़िरौन ने अपनी सारी प्रजा के लोगों को आज्ञा दी कि, "तुम्हें प्रत्येक इब्री बेटों को जो जन्म लेता ही, नील नदी में फेंकना होगा।"

## निर्गमन 2:2

**लेवी के घराने की महिला ने अपने पुत्र को कितने समय तक छिपाकर रखा?**

लेवी के घराने की महिला ने अपने पुत्र को तीन महीने तक छिपा कर रखा।

## निर्गमन 2:3

**लेवी घराने की महिला ने सरकण्डा की टोकरी पर क्या लगाया?**

उन्होंने सरकण्डे की टोकरी पर चिकनी मिट्टी और राल लगाया।

## निर्गमन 2:4

**बालक की बहन दूर क्यों खड़ी थीं?**

बालक की बहन यह देखने के लिए दूर खड़ी थीं कि उसका क्या हाल होगा।

## निर्गमन 2:5

**फ़िरौन की बेटी क्या करने आई थी; जब उसकी सखियाँ नदी के किनारे-किनारे टहल रही थीं?**

फ़िरौन की बेटी नहाने के लिये नदी के किनारे आई थी; जब उसकी सखियाँ नदी के किनारे-किनारे टहलने लगी।

## निर्गमन 2:7–8

**फ़िरौन की बेटी के लिए बालक को दूध पिलाने के लिए किसे ढूंढा?**

बालक की बहन ने फ़िरौन की बेटी के लिए बालक की माता को बुला ले आई ताकि वो उसे दूध पिलाए।



## निर्गमन 2:10

**बालक का नाम मूसा किसने रखा?**

फिरौन की बेटी ने बालक का नाम मूसा रखा।

## निर्गमन 2:12

**मूसा ने जिस मिस्री को मारा, उसके शरीर को कहाँ छिपाया?**

मूसा ने मिस्री को मार कर रेत में छिपा दिया।

## निर्गमन 2:13

**जब दो इब्री पुरुष आपस में मारपीट कर रहे, तब मूसा ने किस से पूछा, "तु अपने भाई को क्यों मारता हैं?"**

जब दो इब्री पुरुष आपस में मारपीट कर रहे थे; तब मूसा ने अपराधी से कहा, “तू अपने भाई को क्यों मारता है?"

## निर्गमन 2:15

**फिरौन ने मूसा को घात क्यों नहीं पाया?**

फ़िरौन ने मूसा को मारने की योजना की, लेकिन मूसा फ़िरौन के सामने से भाग कर, मिद्यान देश में जाकर रहने लगा।

## निर्गमन 2:17

**कौन मिद्यान के याजक की बेटियों को हटाने का प्रयास करने लगे?**

कुछ चरवाहे आ कर मिद्यान के याजक की बेटियों को हटाने का प्रयास करने लगे।

## निर्गमन 2:24

**परमेश्वर ने अब्राहम, इसहाक, और याकूब के साथ अपनी वाचा कब स्मरण किया?**

जब परमेश्वर ने इस्राएलियों का कराहना सुना, तो उन्होंने अब्राहम, इसहाक, और याकूब के साथ अपनी वाचा को स्मरण किया।

## निर्गमन 3:1

**मूसा के ससुर का नाम क्या था?**

मिद्यान के याजक, यित्रो, मूसा के ससुर थे।

## निर्गमन 3:2

**परमेश्वर के स्वर्गदूत ने मूसा को कैसे दर्शन दिया?**

परमेश्वर के दूत ने एक कँटीली झाड़ी के बीच आग की लौ में मूसा को दर्शन दिया।

## निर्गमन 3:4

**झाड़ी के बीच से मूसा को किसने बुलाया?**

परमेश्वर ने मूसा को झाड़ी के बीच से पुकारा।

## निर्गमन 3:5

**परमेश्वर ने मूसा से अपने पाँवों से जूतियों को उतारने के लिए क्यों कहा?**

परमेश्वर ने कहा, "इधर पास मत आ, और अपने पाँवों से जूतियों को उतार दे, क्योंकि जिस स्थान पर तू खड़ा है वह पवित्र भूमि है।"

## निर्गमन 3:8

**यहोवा उतरकर क्यों नीचे आए?**

यहोवा इस्राएलियों को मिस्रियों के वश से छुड़ाने, और उस देश से निकालकर एक अच्छे और बड़े देश में जिसमें दूध और मधु की धारा बहती है ले जाने के लिए नीचे आए।

## निर्गमन 3:10

**यहोवा ने मूसा को फिरौन के पास क्यों भेजा?**

यहोवा ने मूसा को फ़िरौन के पास भेजा ताकि मूसा यहोवा की प्रजा इस्राएलियों को मिस्र से निकाल ले आए।

## निर्गमन 3:12

**मूसा को, यहोवा द्वारा भेजे जाने का क्या चिन्ह था?**

यहोवा द्वारा मूसा को भेजने का यह संकेत होगा कि जब मूसा उन लोगों को मिस्र से निकाल लेंगे तब वे इसी पहाड़ पर परमेश्वर की उपासना करेंगे।



## निर्गमन 3:14

**जब इस्राएली मूसा से पूछेंगे कि परमेश्वर का नाम क्या है, तो उन्हें क्या उत्तर देना चाहिए?**

जब इस्राएली मूसा से पूछेंगे कि परमेश्वर का नाम क्या है, तो उन्हें कहना चाहिए, "मैं जो हूँ सो हूँ।"

## निर्गमन 3:18

**इस्राएली कितने समय तक जंगल में रहेंगे ताकि वे यहोवा, अपने परमेश्वर को बलिदान चढ़ा सकें?**

इस्राएली तीन दिन की यात्रा करके जंगल में जाएंगे ताकि वे, अपने परमेश्वर यहोवा को बलिदान चढ़ा सकें।

## निर्गमन 3:19

**मिस्र के राजा इस्राएलियों को कब तक नहीं जाने देंगे ?**

मिस्र के राजा इस्राएलियों को तब तक नहीं जाने देंगे जब तक कि उन्हें बड़े बल से दबाए ना जाए।

## निर्गमन 4:2

**मूसा के हाथ में क्या था?**

मूसा के हाथ में एक लाठी थी।

## निर्गमन 4:4

**जब मूसा ने अपनी लाठी भूमि पर डाली तो वह क्या बन गई?**

जब मूसा से अपनी लाठी भूमि पर डाली तो वह एक सर्प बन गई।

## निर्गमन 4:4 (#2)

**मूसा को सर्प किस स्थान से पकड़ना था?**

मूसा को सर्प पूँछ से पकड़ना था।

## निर्गमन 4:6

**जब मूसा ने पहली बार अपना हाथ छाती पर रखकर ढाँपा और फिर निकाला तो क्या हुआ?**

जब मूसा ने पहली बार अपना हाथ छाती पर रखकर ढाँपा; और फिर जब उसे निकाला तब उसका हाथ कोढ़ के कारण हिम के समान श्वेत हो गया।

## निर्गमन 4:12

**कौन मूसा का मुख के संग होगा और उसे सिखाएगा कि क्या कहना है?**

यहोवा मूसा के मुख के संग होंगे और उन्हें सिखाएंगे कि क्या कहना है।

## निर्गमन 4:14

**जब हारून मूसा को देखेंगे, तो वह कैसा महसूस करेंगे?**

जब हारून मूसा को देखेंगे, तो वे मन में आनन्दित होगें।

## निर्गमन 4:16

**मूसा हारून के लिए किसके समान ठहरेगा?**

मूसा हारून के लिए परमेश्वर के समान ठहरेगा।

## निर्गमन 4:19

**अब मूसा मिस्र क्यों लौट सकते थे?**

मूसा मिस्र लौट सकते थे, क्योंकि जो मनुष्य उनके प्राण के प्यासे थे वे सब मर गए थे।

## निर्गमन 4:21

**यहोवा फ़िरौन के मन को हठीला क्यों करेंगे?**

यहोवा फ़िरौन के मन को हठीला कर देंगे ताकि फ़िरौन लोगों को जाने न दे।

## निर्गमन 4:22–23

**चूंकि फ़िरौन ने यहोवा के पहलौठे पुत्र को जाने नही दिया, यहोवा फ़िरौन के पहलौठे पुत्र के साथ क्या करेंगे?**

चूंकि फ़िरौन ने यहोवा के पहलौठे पुत्र को जाने देने से इनकार कर दिया है, यहोवा निश्चित रूप से फ़िरौन के पहलौठे पुत्र का घात करेंगे ।

## निर्गमन 4:24

**जब वे मार्ग पर सराय में रुके, तो यहोवा ने मूसा के साथ क्या करना चाहा?**

जब वे मार्ग पर सराय में रुके, तब यहोवा ने मूसा से भेंट करके उसे मार डालना चाहा।

## निर्गमन 4:27

**हारून मूसा से कहाँ भेंट की ?**

हारून ने मूसा से जंगल मे परमेश्वर के पर्वत पर भेंट की।

## निर्गमन 4:30

**यहोवा की कहीं बातें और चिन्ह लोगों के सामने किसने दिखलाए?**

हारून ने लोगों के सामने यहोवा की बातें सुनाई और चिह्न दिखाए।

## निर्गमन 5:1

**फिरौन को यहोवा परमेश्वर के लोगों को क्यों जाने देना चाहिए?**

फिरौन को यहोवा के लोगों को जाने देना चाहिए ताकि वे जंगल में यहोवा के लिये पर्व करें।

## निर्गमन 5:3

**इस्राएलियों को जंगल में तीन दिन की यात्रा करके अपने परमेश्वर यहोवा के लिए बलिदान क्यों चढ़ाना था?**

इस्राएलियों को जंगल में तीन दिन की यात्रा करके अपने परमेश्वर यहोवा को बलिदान चढ़ाना था ताकि वह उनमें न मरी फैलाए और न तलवार चलवाए।

## निर्गमन 5:6–7

**फ़िरौन ने किसे आदेश दिया कि वे इस्राएलियों को ईंटें बनाने के लिए अब और पुआल न दें?**

फ़िरौन ने इस्राएलियों को परिश्रम करवानेवालों और उनके ऊपर के सरदारों को यह आज्ञा दी कि वे उन्हें ईंट बनाने के लिए अब और पुआल न दें।

## निर्गमन 5:11

**हालांकि इस्राएलियों को जहाँ कहीं पुआल मिले वहाँ से उसको बटोरकर लाना था, लेकिन उनके लिए क्या नहीं घटाया जाएगा?**

हालांकि इस्राएलियों को जहाँ कहीं पुआल मिले वहाँ से उसको बटोरकर लाना था, लेकिन उनके लिए, काम कुछ भी नहीं घटाया जाएगा।

## निर्गमन 5:14

**फ़िरौन के परिश्रम करानेवालों के द्वारा किसने मार खाई?**

फ़िरौन के परिश्रम करानेवालों ने इस्राएल के उन सरदारों को जिन्हें उन्होंने अधिकारी ठहराया था मारा।

## निर्गमन 5:15–16

**इस्राएली दासों की पिटाई का दोष किस पर था?**

यह फ़िरौन के अपने लोगों की गलती थी कि इस्राएली दासों को पीटा गया।

## निर्गमन 5:20

**फ़िरौन के सम्मुख से बाहर निकल कर मूसा और हारून कहाँ थे?**

जब मूसा और हारून फ़िरौन के सम्मुख से बाहर निकले तो जो उनसे भेंट करने के लिये खड़े थे, वे उनसे मिले।

## निर्गमन 5:22

**मूसा के अनुसार कौन इस्राएल के लोगों के साथ बुराई कर रहा था?**

मूसा के अनुसार प्रभु इस्राएल के लोगों के साथ बुराई कर रहे थे।



## निर्गमन 6:1

**फिरौन इस्राएल के लोगों को बरबस क्यों निकालेगा?**

फिरौन यहोवा के सामर्थी हाथ के कारण इस्राएल के लोगों को निकाल देंगा।

## निर्गमन 6:2

**यहोवा अब्राहम, इसहाक और याकूब के समक्ष कैसे प्रकट हुए?**

यहोवा अब्राहम, इसहाक, और याकूब के सामने सर्वशक्तिमान परमेश्वर के रूप में प्रकट हुए।

## निर्गमन 6:5

**यहोवा ने क्या सुना है, और उन्होंने क्या स्मरण किया?**

यहोवा ने उन इस्राएलियों का कराहना सुना जिन्हें मिस्री लोग दासत्व में रखे थे और अपनी वाचा को स्मरण किया।

## निर्गमन 6:8

**यहोवा इस्राएलियों को विरासत के रूप में क्या प्रदान करेंगे?**

यहोवा इस्राएलियों को वह देश देंगे जिसकी उन्होंने अब्राहम, इसहाक, और याकूब को देने की शपथ खाई थी, ताकि वे उसे अपने भाग के रूप में प्राप्त करें।

## निर्गमन 6:12

**मूसा ने यह क्यों सोचा कि फ़िरौन उनकी बात नहीं सुनेगा?**

मूसा सोचते हैं कि फ़िरौन उनकी बात नहीं सुनेगा क्योंकि वह स्वयं को भद्दा बोलनेवाला समझते थे।

## निर्गमन 6:18

**कहात कितने वर्षों तक जीवित रहे?**

कहात एक सौ सैंतीस वर्ष तक जीवित रहे।

## निर्गमन 6:20

**अम्राम ने किससे ब्याह किया ?**

अम्राम ने अपनी फूफी योकेबेद को ब्याह किया।

## निर्गमन 6:23

**नादाब और अबीहू को किसने जन्म दिया?**

एलीशेबा ने नादाब और अबीहू को जन्म दिया।

## निर्गमन 6:26

**हारून और मूसा को इस्राएलियों को मिस्र की भूमि से कैसे बाहर लाना था?**

हारून और मूसा को इस्राएलियों को दल-दल करके उनके जत्थों के अनुसार मिस्र देश से निकालना था।

## निर्गमन 7:1

**यहोवा ने मूसा को फ़िरौन के लिए क्या ठहराया?**

यहोवा ने मूसा को फ़िरौन के लिए एक परमेश्वर के समान ठहराया।

## निर्गमन 7:3

**यहोवा फ़िरौन के मन को क्या करेंगे?**

यहोवा फ़िरौन के मन को कठोर कर देंगे।

## निर्गमन 7:5

**मिस्री यहोवा को कब जानेंगे?**

जब यहोवा मिस्र पर हाथ बढ़ाकर इस्राएलियों को उनके बीच से निकालेंगे तब मिस्री जान लेंगे, कि यहोवा कौन हैं।

## निर्गमन 7:9

**मूसा की लाठी क्या बन जाएगी?**

मूसा की लाठी अजगर बन जाएगी।

## निर्गमन 7:11

**फ़िरौन ने पंडितों और टोनहा करनेवालों और मिस्र के जादूगरों ने सर्प कैसे बनाया?**



फ़िरौन के पंडितों और जादूगरों ने अपने-अपने तंत्र-मंत्र से लाठियों को सर्प बनाया।

## निर्गमन 7:15

**मूसा को फ़िरौन से भेंट करने के लिये कहाँ खड़े रहना था?**

मूसा को फ़िरौन से भेंट करने के लिए नदी के तट पर खड़े रहना था।

## निर्गमन 7:17

**नदी का जल किसमें परिवर्तित हो जाएगा?**

नदी का जल रक्त में परिवर्तित हो जाएगा।

## निर्गमन 7:19

**कौन सा जल लहू बन जाएगा?**

मिस्र देश में जितने जल है, अर्थात् उसकी नदियाँ, नहरें, झीलें, और जलकुण्ड, काठ और पत्थर के जलपात्रों में का सब पानी लहू बन जाएगा।

## निर्गमन 7:22

**फिरौन के मन को क्या हुआ?**

फिरौन का मन हठीला हो गया।

## निर्गमन 7:24

**मिस्री लोग पीने का जल प्राप्त करने के लिए क्या प्रयास किए?**

सब मिस्री लोग पीने के जल के लिये नील नदी के आस-पास खोदने लगे।

## निर्गमन 8:2

**यदि फ़िरौन यहोवा के लोगों को जाने न दे, तो यहोवा क्या करेंगे?**

यदि फ़िरौन यहोवा के लोगों को जाने न देंगे, तो यहोवा मेंढक भेजकर फ़िरौन के सारे देश को हानि पहुंचाएंगे ।

## निर्गमन 8:3

**नदी से मेंढक कहाँ जाएंगे?**

मेंढक फिरौन के भवन में, और बिछौने पर, कर्मचारियों के घरों में, प्रजा पर और तन्दूरों और कठौतियों में भी चढ़ जाएँगे।

## निर्गमन 8:6

**हारून ने अपना हाथ कहां बढ़ाया?**

हारून ने मिस्र के जलाशयों के ऊपर अपना हाथ बढ़ाया।

## निर्गमन 8:9

**मूसा ने फ़िरौन को कौन सा विशेषाधिकार प्रदान किया?**

मूसा ने फ़िरौन को यह विशेषाधिकार दिया कि वे उन्हें बताएं कि उन्हें कब फ़िरौन, उनके कर्मचारियों और उनके प्रजा के लिए विनती करे ताकि मेंढक उनसे और उनके घरों से हट जाएं और केवल नील नदी में पाए जाएँ।

## निर्गमन 8:15

**फिरौन ने मेंढकों से आराम मिलने के बाद क्या किया?**

जब फ़िरौन ने देखा कि मेंढकों से अब आराम मिल गया है, तो उसने अपना मन कठोर कर लिया और मूसा और हारून की बात नहीं मानी।

## निर्गमन 8:17

**भूमि की धूल क्या बन गई है?**

सारे मिस्र देश में भूमि की धूल कुटकियाँ बन गईं।

## निर्गमन 8:18

**जादूगरों ने चाहा कि अपने तंत्र-मंत्रों के बल से वे भी कुटकियाँ ले आएँ, पर क्या हुआ?**

जादूगरों ने चाहा कि अपने तंत्र-मंत्रों के बल से वे भी कुटकियाँ ले आएँ, परन्तु यह उनसे न हो सका।

## निर्गमन 8:21

**डांसों से क्या भर जाएगी?**



मिस्रियों के घर और उनके रहने की भूमि भी डांसों से भर जाएगी।

## निर्गमन 8:22

**गोशेन देश में डांसों के झुण्ड क्यों नहीं होंगी?**

यहोवा गोशेन की भूमि के साथ अलग व्यवहार करेंगे, ताकि उसमें डांसों के झुण्ड न हो। यह इसलिए होगा ताकि फ़िरौन जान ले कि पृथ्वी के बीच मैं यहोवा ही परमेश्वर हैं।

## निर्गमन 8:25–26

**इस्राएली का मिस्र में बलिदान करना उचित क्यों नहीं होगा?**

क्योंकि परमेश्वर यहोवा के लिये इस्राएलियों द्वारा किए गए बलिदान मिस्रियों के लिए अत्यंत घृणित वस्तु थी।

## निर्गमन 8:32

**डांसों के जाने के बाद किसने फिरौन के मन को कठोर कर दिया?**

फ़िरौन ने इस बार भी अपने मन को कठोर कर लिया।

## निर्गमन 9:3

**यहोवा का हाथ किन पर पड़ेगा?**

यहोवा का हाथ मिस्रियों के घोड़े, गदहे, ऊँट, गाय-बैल, भेड़-बकरी आदि मैदान के पशु पर पड़ेगा।

## निर्गमन 9:7

**मिस्र के सब पशुओ के मरने पर भी, फ़िरौन ने इस्राएल के लोगों को क्यों नहीं जाने दिया?**

फ़िरौन का मन कठोर हो गया, इसलिए उन्होंने लोगों को जाने नहीं दिया।

## निर्गमन 9:8–9

**सूक्ष्म धूल के रूप में सारे मिस्र देश में क्या उड़ाया जाएगा?**

भट्टी में से राख ले कर सारे मिस्र देश में सूक्ष्म धूल के रूप में उड़ाया जाएगा।

## निर्गमन 9:11

**जादूगर मूसा के सामने क्यों खड़े न रह सके?**

फोड़े के कारण जादूगर मूसा के सामने खड़े न रह सके।

## निर्गमन 9:15–16

**यहोवा ने अपना हाथ बढ़ाकर फिरौन और उसकी प्रजा को मरी से क्यों नहीं मारा और उन्हें पृथ्वी पर से सत्यानाश क्यों नहीं किया?**

यहोवा ने फ़िरौन और उसके लोगों पर हमला नहीं किया ताकि वो अपनी सामर्थ्य दिखा सकें, और सारी पृथ्वी पर उनका नाम प्रसिद्ध हो जाए।

## निर्गमन 9:19

**यहोवा ने ओलों के विषय में क्या चेतावनी दी?**

यहोवा ने कहा कि जितने मनुष्य या पशु मैदान में हैं और उन्हे घर में इकट्ठा न किया गया हैं —तो जब उन पर ओले गिरेंगे, वे मर जाएँगे।

## निर्गमन 9:20

**किसने अपने सेवकों और पशुओं को घर में हाँक दिया?**

फ़िरौन के कर्मचारियों में से जो लोग यहोवा के वचन का भय मानते थे, उन्होंने अपने सेवकों और पशुओं को घर में हाँक दिया।

## निर्गमन 9:25

**मिस्र भर में, ओलों से क्या-क्या प्रभावित हुआ?**

मिस्र भर में, ओलों से खेतों में क्या मनुष्य, क्या पशु सब मारे गए। खेत की सारी उपज नष्ट हो गई और मैदान के सब वृक्ष भी टूट गए।

## निर्गमन 9:27

**ओलों के समय, फ़िरौन ने क्या स्वीकारा?**



फिरौन के स्वीकारा और कहा कि उन्होंने पाप किया है; यहोवा धर्मी है, और वो और उनकी प्रजा अधर्मी हैं।

## निर्गमन 9:32

**कौन से पौधे ओलों से मारे न गए? क्यों?**

गेहूँ और कठिया गेहूँ के पौधे ओलों से मारे न गए, क्योंकि बढ़े नहीं थे।

## निर्गमन 10:1–2

**यहोवा ने फ़िरौन और उसके कर्मचारियों का मन कठोर क्यों कर दिया?**

यहोवा ने फ़िरौन और उसके कर्मचारियों का मन कठोर कर दिया ताकि वे अपने चिन्ह उनके बीच में दिखा सकें। उन्होंने यह भी इसलिए किया ताकि इस्राएली अपने बेटों और पोतों से उनके किए कार्य का वर्णन कर सकें।

## निर्गमन 10:5

**कौन सा कीट धरती को ऐसा छा लेंगी कि वह देख न पड़ेगी?**

टिड्डियाँ धरती को ऐसा छा लेंगी कि वह देख न पड़ेगी।

## निर्गमन 10:9–11

**जब मूसा ने कहा,हम तो बेटों-बेटियों, भेड़-बकरियों, गाय-बैलों समेत वरन् बच्चों से बूढ़ों तक सब के सब जाएँगे, तो फ़िरौन ने क्या उत्तर दिया?**

फ़िरौन ने कहा, "नहीं, ऐसा नहीं होने पाएगा; तुम पुरुष ही जाकर यहोवा की उपासना करो"

## निर्गमन 10:13

**टिड्डियाँ कहाँ से आई?**

पुरवाई में टिड्डियाँ आईं।

## निर्गमन 10:16

**फिरौन ने क्या कहा कि उन्होंने यहोवा के विरुद्ध में किया है?**

फ़िरौन ने कहा कि "मैंने तो तुम्हारे परमेश्वर यहोवा और तुम्हारे विरुद्ध अपराध किया है।"

## निर्गमन 10:19

**जब यहोवा ने बहुत प्रचण्ड पश्चिमी हवा बहाई तब मिस्र के सभी स्थानों में कितनी टिड्डी रह गई।**

जब यहोवा ने बहुत प्रचण्ड पश्चिमी हवा बहाई तब मिस्र के किसी भी स्थान में एक भी टिड्डी न रह गई।

## निर्गमन 10:22

**सारे मिस्र देश में तीन दिन तक घोर अंधकार छाया रहा तब क्या हुआ?**

अंधकार के तीन दिनों के दौरान, तीन दिन तक न तो किसी ने किसी को देखा, और न कोई अपने स्थान से उठ सका।

## निर्गमन 10:24

**अंधकार के बाद, फ़िरौन ने इस्राएली को किसे छोड़ यहोवा की उपासना करने जाने की अनुमति दी?**

फ़िरौन ने कहा कि जब इस्राएली यहोवा की आराधना करने जाएँ, पर वे अपने भेड़-बकरी और गाय-बैल को छोड़ जाएँ।

## निर्गमन 10:28

**फ़िरौन ने कहा कि यदि मूसा फिर से फ़िरौन का मुँह देखेगा तो क्या होगा?**

फ़िरौन ने कहा कि जिस दिन मूसा उनका मुहँ देखेंगे, उसी दिन वह मारा जाएगा।

## निर्गमन 11:1–2

**अंतिम विपत्ति के बाद हर एक इस्राएली पुरुष और स्त्री को अपने पड़ोसी से क्या मांगना था?**

हर इस्राएली पुरुष और स्त्री को अपने मिस्रि पड़ोसी से अंतिम विपत्ति के बाद सोने-चाँदी के गहने माँगने थे।

## निर्गमन 11:3

**किसकी दृष्टि में मूसा अति महान था?**



फ़िरौन के कर्मचारियों और साधारण लोगों की दृष्टि में मूसा अति महान था।

## निर्गमन 11:5

**किसके पहलौठे मर जाएँगे?**

मिस्र की भूमि में सभी पहलौठे मर जाएंगे, फ़िरौन के पहलौठे से, जो मिस्र के सिंहासन पर विराजते हैं, से लेकर चक्की पीसनेवाली दासी तक के पहलौठे, और सभी पशुओं के पहलौठे तक मर जाएँगे।

## निर्गमन 11:6

**सारे मिस्र देश में ऐसा बड़ा हाहाकार कब मचा जैसे अंतिम विपत्ति के समय हुआ?**

मिस्र देश में ऐसा बड़ा हाहाकार न तो कभी हुआ और न होगा

## निर्गमन 12:3

**इस्राएल की सारी मण्डली को महीने के दसवें दिन क्या करना था?**

इस्राएल की सारी मण्डली को महीने के दसवें दिन अपने पितरों के घरानों के अनुसार एक मेम्ना लेना था।

## निर्गमन 12:4

**यदि किसी के घराने में एक मेम्ने के खाने के लिये मनुष्य कम हों, तो उन्हें क्या करना चाहिए?**

यदि किसी के घराने में एक मेम्ने के खाने के लिये मनुष्य कम हों, तो वह अपने सबसे निकट रहनेवाले पड़ोसी के साथ प्राणियों की गिनती के अनुसार एक मेम्ना ले ताकी हर एक के खाने के अनुसार मेम्ने का हिसाब रहे।

## निर्गमन 12:6

**किस समय इस्राएल की सारी मण्डली के लोगो को उसे बलि करना चाहिए?**

सूर्यास्त के समय इस्राएल की सारी मण्डली के लोगो को उन जानवरों को बलि करना चाहिए।

## निर्गमन 12:8

**इस्राएलियों को उसके माँस के साथ क्या खाना चाहिए?**

उन्हें इसे अख़मीरी रोटी और कड़वे सागपात के साथ खाना चाहिए।

## निर्गमन 12:10

**यदि कोई कुछ सवेरे तक रह जाए हो तो इस्राएलियों को क्या करना चाहिए?**

उसमें से कुछ सवेरे तक न रहने देना चाहिए और यदि कुछ सवेरे तक रह भी जाए, तो उसे आग में जला देना चाहिए।

## निर्गमन 12:13

**जब यहोवा घरों पर लहू देखेंगे तो क्या होगा?**

जब यहोवा लहू देखेंगे, तो वे उन्हे छोड़ जाएंगे, और वह विपत्ति उन पर न पड़ेगी और न वे नाश होंगे।

## निर्गमन 12:15

**जो पहले दिन से लेकर सातवें दिन तक कोई ख़मीरी रोटी खाएगा, उनके साथ क्या होगा?**

जो पहले दिन से लेकर सातवें दिन तक कोई खमीरवाली रोटी खाएगा, वह व्यक्ति इस्राएलियों मे से नाश किया जाएगा।

## निर्गमन 12:16

**सात दिनों के अख़मीरी रोटी के दौरान इस्राएलियों के लिए एकमात्र कार्य क्या है?**

इन दिनों कोई काम नहीं किया जाएगा, केवल सभी के लिए खाना पकाने का काम किया जाएगा।

## निर्गमन 12:18

**इस्राएली अख़मीरी रोटी कब खा सकते थे?**

इस्राएली वर्ष के पहले महीने के चौदहवें दिन की साँझ से लेकर महीने के इक्कीसवें दिन की साँझ तक अख़मीरी रोटी खा सकते थे।



## निर्गमन 12:22

**इस्राएलियों को तसले में से लहू कहाँ लगाना था?**

इस्राएलियों को तसले में से लहू लेकर उसे द्वार के चौखट के सिरे और दोनों ओर पर कुछ लगाना था।

## निर्गमन 12:23

**यहोवा कब किसी के द्वार को छोड़ जाएगा?**

जब यहोवा जिस चौखट के सिरे, और दोनों ओर पर उस लहू को देखेगा, तो वह उस द्वार को छोड़ जाएगा।

## निर्गमन 12:26–27

**जब उनके लड़के वाले उनसे से पूछें, 'इस काम से तुम्हारा क्या मतलब है, तो इस्राएलियों को अपने बच्चों से क्या कहना चाहिए?**

इस्राएलियों को अपने लड़के वालो को यह बताना था कि यहोवा ने जो मिस्रियों के मारने के समय मिस्र में रहनेवाले हम इस्राएलियों के घरों को छोड़कर हमारे घरों को बचाया, इसी कारण उसके फसह का यह बलिदान किया जाता है।

## निर्गमन 12:30

**मिस्र में बड़ा हाहाकार क्यों मचा?**

मिस्र में बड़ा हाहाकार मचा क्योंकि वहाँ एक भी ऐसा घर न था जिसमें कोई मरा न हो।

## निर्गमन 12:35

**इस्राएलियों ने मिस्रियों से क्या मांगा था?**

इस्राएलियों ने मिस्रियों से सोने-चाँदी के गहने और वस्त्र माँगे।

## निर्गमन 12:39

**उन्होंने बिना ख़मीर की रोटियाँ क्यों बनाईं?**

उन्होंने बिना ख़मीर दिए रोटियाँ बनाईं क्योंकि वे मिस्र से ऐसे बरबस निकाले गए, कि उन्हें अवसर भी न मिला की मार्ग में खाने के लिये कुछ पका सके।

## निर्गमन 12:41

**इस्राएली मिस्र में कितने समय तक रहे?**

इस्राएली मिस्र में चार सौ तीस वर्षों तक रहे।

## निर्गमन 12:43

**फसह के पर्व की विधि में कौन शामिल नहीं हो सकता?**

फसह के पर्व की विधि यह थी कि कोई परदेशी उसमें से नहीं खा सकता था।

## निर्गमन 12:48

**यदि कोई परदेशी इस्राएलियों के संग रहकर यहोवा के लिये पर्व को मानना चाहे, तो उनके सब पुरुषों का क्या करना आवश्यक है?**

यदि कोई परदेशी इस्राएलियों के संग रहकर यहोवा के लिये पर्व को मानना चाहे, तो उनके सब पुरुषों का खतना किया जाना आवश्यक है।

## निर्गमन 13:1–2

**पहलौठे को किसके लिए अलग रखा जाना चाहिए था?**

पहलौठे को यहोवा के लिए अलग रखा जाना चाहिए।

## निर्गमन 13:4

**इस्राएली मिस्र से किस महीने में निकले थे?**

इस्राएली अबीब के महीने में मिस्र से निकले थे।

## निर्गमन 13:9

**यह छूटकारा इस्राएलियों के लिए उनके हाथों में एक चिन्ह और आँखों के सामने स्मरण करानेवाली वस्तु क्यों ठहरेगा?**

यह छूटकारा इस्राएलियों के लिए उनके हाथों में एक चिन्ह और आँखों के सामने स्मरण करानेवाली वस्तु ठहरेगा ताकि यहोवा की व्यवस्था उनके मुँह पर रहे।



## निर्गमन 13:13

**इस्राएलियों को गदही के हर एक पहलौठे के बदले क्या देकर छुड़ा सकते थे?**

इस्राएलियों को गदही के हर एक पहलौठे के बदले मेम्ना देकर उसको छुड़ा सकते थे।

## निर्गमन 13:17

**परमेश्वर ने इस्राएलियों को पलिश्तियों के देश में होकर जाने वाले मार्ग से क्यों नहीं ले गए?**

परमेश्वर यह सोचते हुए उन्हें पलिश्तियों के देश में होकर जाने वाले मार्ग से नहीं ले गए कि कहीं ऐसा न हो कि जब ये लोग लड़ाई देखें तब पछताकर मिस्र को लौट जाएँ।"

## निर्गमन 13:19

**यूसुफ ने इस्राएलियों को किस विषय की दृढ़ शपथ खिलाई थी?**

यूसुफ ने इस्राएलियों को दृढ़ शपथ खिलाई थी कि वे उसकी हड्डियों को अपने साथ यहाँ से ले जाएँगे।

## निर्गमन 13:21

**रात में यहोवा इस्राएलियों के आगे कैसे गए? क्यों?**

रात को उजियाला देने के लिये आग के खम्भे में होकर उनके आगे-आगे चला करता था। जिससे वे रात और दिन दोनों में चल सकते थे।

## निर्गमन 14:5

**जब मिस्र के राजा को यह समाचार मिला कि वे लोग भाग गए हैं, तब फ़िरौन और उसके कर्मचारियों के मन को क्या हुआ?**

जब मिस्र के राजा को यह समाचार मिला कि वे लोग भाग गए हैं, तब फ़िरौन और उसके कर्मचारियों का मन उनके विरुद्ध पलट गया।

## निर्गमन 14:9

**मिस्रियों ने इस्राएलियों के पास कहाँ जा पहुँचे?**

मिस्रि पीहहीरोत के पास, बाल-सपोन के सामने, समुद्र के किनारे पर डेरे डालें पड़े इस्राएलियों के पास जा पहुँचे।

## निर्गमन 14:12

**इस्राएलियों ने क्या कहा कि जंगल में मरने से अच्छा क्या था ?**

इस्राएलियों ने कहा कि जंगल में मरने से अच्छा मिस्रियों कि सेवा करना था।

## निर्गमन 14:14

**क्योंकि यहोवा आप ही इस्राएलियों के लिए युद्ध करेंगे इसलिए, उन्हें क्या करना चाहिए?**

क्योंकि यहोवा आप ही इस्राएलियों के लिए युद्ध करेंगे, उन्हें केवल चुपचाप रहना हैं।

## निर्गमन 14:17

**मिस्री समुद्र में इस्राएलियों का पीछा करते हुए घुस क्यों पड़ेंगे?**

यहोवा मिस्रियों के मन को कठोर कर देंगे ताकि वे समुद्र में इस्राएलियों का पीछे करते हुए घुस पड़ें।

## निर्गमन 14:20

**बादल कैसे मिस्रियों के लिए बाधा और इस्राएलियों की सहायता रहा?**

मिस्रियों के लिए यह बादल एक काले बादल के समान था, लेकिन इस्राएलियों को उससे रात में प्रकाश मिलता रहा; और वे रात भर एक दूसरे के पास न आए।

## निर्गमन 14:21

**यहोवा ने कब तक प्रचण्ड पुरवाई चलाई, और समुद्र को दो भाग करके जल को हटाए रखा ?**

यहोवा ने रात भर प्रचण्ड पुरवाई चलाई, और समुद्र को दो भाग करके जल को हटाए रखा।



## निर्गमन 14:24

**यहोवा ने बादल और आग के खम्भे में से मिस्रियों की सेना पर कब दृष्टि करी?**

रात के अन्तिम पहर में यहोवा ने बादल और आग के खम्भे में से मिस्रियों की सेना पर दृष्टि करी।

## निर्गमन 14:28

**फिरौन की सेना के कितने सैनिक समुद्र पार करने के बाद जीवित रहे?**

फ़िरौन की सारी सेना समुद्र में डूब गई, और उसमें से एक भी न बचा।

## निर्गमन 14:31

**यहोवा ने मिस्रियों पर जो अपना पराक्रम दिखलाया था, उसको देखकर इस्राएलियों ने क्या किया?**

यहोवा ने मिस्रियों पर जो अपना पराक्रम दिखलाया था, उसको देखकर इस्राएलियों ने यहोवा का भय माना और यहोवा की और उसके दास मूसा की भी प्रतीति की।

## निर्गमन 15:1

**यहोवा ने किसे समुद्र में डाल दिया है?**

यहोवा ने घोड़ों समेत सवारों को समुद्र में डाल दिया है।

## निर्गमन 15:5

**मिस्री गहरे स्थनो में कैसे डूब गए?**

वे पत्थर के समान गहरे स्थानों में डूब गए।

## निर्गमन 15:8

**जल कैसे एकत्र हो गया ?**

यहोवा के नथनों की साँस से जल एकत्र हो गया।

## निर्गमन 15:13

**यहोवा ने अपनी छुड़ाई हुई प्रजा की अगुआई कैसे की?**

यहोवा अपनी वाचा के प्रति विश्वासयोग्य होते हुए, अपनी करुणा से उन्होंने अपनी छुड़ाई हुई प्रजा की अगुआई की, और अपने बल से उन्होंने उसे अपने पवित्र निवास-स्थान को ले चले।

## निर्गमन 15:14

**जब लोग यहोवा द्वारा इस्राएलियों को बचाने की बात सुनेंगे, तो उनकी प्रतिक्रिया क्या होगी?**

जब लोग यहोवा द्वारा इस्राएलियों को बचाने की बात सुनेंगे तो वे काँप उठेंगे।

## निर्गमन 15:17

**यहोवा इस्राएलियों को कहाँ पहुँचाया?**

यहोवा इस्राएलियों को अपने निज भागवाले पहाड़ पर पहुँचाकर बसाएगे, यह वही स्थान है, जिसे यहोवा अपने निवास के लिये बनाया था।

## निर्गमन 15:20

**डफ किसने बजाया?**

नबिया मिर्याम और सब स्त्रियों ने डफ बजाया।

## निर्गमन 15:23

**इस्राएली मारा में पानी क्यों नहीं पी सके?**

इस्राएली मारा में पानी इसलिए नहीं पी सके क्योंकि वह खारा था।

## निर्गमन 15:25

**मारा का खारा पानी मीठा कैसे हो गया?**

यहोवा ने मूसा को एक पौधा बता दिया, जिसे जब उसने पानी में डाला, तब वह पानी मीठा हो गया।

## निर्गमन 16:1

**सीन नामक जंगल कहाँ है?**

सीन नामक जंगल एलीम और सीनै पर्वत के बीच में है स्थित है।

## निर्गमन 16:3

**इस्राएलियों के अनुसार, मूसा उन्हें जंगल में क्यों लाए?**

इस्राएलियों के अनुसार मूसा उन्हें इस जंगल में लाए ताकि वो सारे समाज को भूखा मार डाले।

## निर्गमन 16:4

**लोग प्रतिदिन बाहर जाकर प्रतिदिन का भोजन इकट्ठा क्यों करते थे?**

लोग प्रतिदिन बाहर जाकर प्रतिदिन का भोजन इकट्ठा करते थे क्योंकि यहोवा उनकी परीक्षा लेकर देखना चाहते थे कि वो उनकी व्यवस्था पर चलेंगे कि नहीं।

## निर्गमन 16:8

**इस्राएली कैसे जानेंगे कि यहोवा ने उन्हें मिस्र की भूमि से बाहर निकाला है?**

इस्राएली जानेंगे कि यहोवा ने उन्हें मिस्र की भूमि से बाहर निकाला है, जब यहोवा साँझ को उन्हे खाने के लिये माँस और भोर को मनमाने रोटी देगा।

## निर्गमन 16:10

**बादल में क्या दिखाई दिया?**

बादल में यहोवा का तेज दिखाई दिया।

## निर्गमन 16:14–15

**यहोवा ने इस्राएलियों को खाने के लिए जो रोटी दी थी, उसका आकार कैसा था?**

यहोवा ने इस्राएलियों को खाने के लिए जो रोटी दी थी, वह छोटे-छोटे परतों के रूप में थी जो ओस जितनी पतली थीं।

## निर्गमन 16:18

**जब इस्राएलियों ने यहोवा से रोटी नापी, तो प्रत्येक व्यक्ति के पास कितना था?**

जब उन्होंने उसको ओमेर से नापा, तब जिसके पास अधिक था उसके कुछ अधिक न रह गया, और जिसके पास थोड़ा था

उसको कुछ घटी न हुई। प्रत्येक मनुष्य ने अपने खाने के योग्य ही बटोर लिया था।

## निर्गमन 16:20

**जब यहोवा की रोटी को कुछ इस्राएलियों ने सवेरे तक रख छोड़ा तो क्या हुआ?**

जब यहोवा की रोटी को कुछ इस्राएलियों ने सवेरे तक रख छोड़ा तो उसमें कीड़े पड़ गए और वह बसाने लगे।

## निर्गमन 16:22

**इस्राएलियों ने छठे दिन कितना रोटी बटोरा?**

छठवें दिन उन्होंने दूना, अर्थात् प्रति मनुष्य के पीछे दो-दो ओमेर बटोरा।

## निर्गमन 16:24

**सातवें दिन के सवेरे तक रखी गई यहोवा की रोटी का क्या हुआ?**

सातवें दिन के सवेरे तक रखी गई यहोवा की रोटी न तो बसाया, और न उसमें कीड़े पड़े।

## निर्गमन 16:27

**सातवें दिन इस्राएली कितना मन्ना बटोरने पाए?**

सातवें दिन भी जब इस्राएली मन्ना बटोरने बाहर गए, तो उनको कुछ न मिला।

## निर्गमन 16:29

**सातवें दिन प्रत्येक इस्राएली को क्या करना था?**

उनमें से प्रत्येक को अपनी-अपनी जगह पर रहना चाहिए; सातवें दिन कोई भी अपने स्थान से बाहर नहीं जा सकते थे।

## निर्गमन 16:31

**मन्ना क्या था?**

मन्ना एक ऐसा भोजन था जो धनिया के समान श्वेत था, और उसका स्वाद मधु के बने हुए पूए जैसा था।

## निर्गमन 16:32

**एक ओमर मन्ना क्यों रखा छोड़ना था?**

एक ओमेर भर मन्ना उनके वंश की आने वाली पीढ़ी के लिये रख छोड़ना था, जिससे वे जानें कि यहोवा ने उन्हे मिस्र देश से निकालकर जंगल में कैसी रोटी खिलाते थे।

## निर्गमन 16:33–34

**मन्ना का एक ओमर कहाँ रखा गया?**

मन्ना का एक ओमर एक पात्र में यहोवा की आज्ञा के साथ साक्षी के सन्दूक के आगे रख दिया गया।

## निर्गमन 16:35

**इस्राएली लोगों कब तक मन्ना खाते रहें?**

इस्राएली लोग चालीस वर्षों तक मन्ना खाते रहे, जब तक वे कनान देश की सीमा पर नहीं पहुँचे।

## निर्गमन 17:1–3

**लोगों ने अपनी परिस्थिति के लिए मूसा पर दोषी क्यों लगाया?**

लोगों के पास पीने का पानी नहीं था, इसलिए उन्होंने अपनी परिस्थिति के लिए मूसा को दोषी ठहराया और उनके खिलाफ बुड़बुड़ाने लगे।

## निर्गमन 17:4

**मूसा को किस बात का डर था कि लोग उनके साथ क्या करेंगे?**

मूसा को डर था कि इस्राएली उन्हें पथरवाह करने के लिए तैयार थे।

## निर्गमन 17:6

**यहोवा ने मूसा से लोगों के लिए पीने का पानी उपलब्ध कराने के लिए क्या करने को कहा?**

यहोवा ने मूसा से कहा कि वे अपनी लाठी से चट्टान पर मारे, तब चट्टान से पानी निकलेगा जिससे लोग पीएँगे।

## निर्गमन 17:9

**जब अमालेकियों ने इस्राएल पर हमला किया, तब मूसा कहाँ खड़े थे?**

मूसा पहाड़ी के शीर्ष पर परमेश्वर की लाठी हाथ में लिए खड़े थे।

## निर्गमन 17:11

**मूसा जब अपना हाथ ऊपर उठाए रखते, तब क्या होता, और जब वह उसे नीचे करते तब क्या होता?**

जब मूसा ने अपना हाथ ऊपर उठाए रखते, तब इस्राएल प्रबल होते, परन्तु जब जब वह उसे नीचे करते तब-तब अमालेक प्रबल होते।

## निर्गमन 17:12

**हारून और हूर ने मूसा के हाथ ऊपर उठाए रखने में कैसे मदद की?**

हारून और हूर ने एक पत्थर लिया और उसे उनके नीचे रख दिया ताकि मूसा उस पर बैठ सकें। और फिर, हारून और हूर एक-एक ओर में उनके हाथों को सम्भाले रहे।

## निर्गमन 17:14

**यहोवा ने मूसा से अमालेक के विरुद्ध युद्ध के बारे में पुस्तक में लिखने के लिए क्यों कहा?**

यहोवा ने मूसा से कहा कि वे युद्ध के बारे में स्मरणार्थ एक पुस्तक में लिखें, क्योंकि यहोवा आकाश के नीचे से अमालेक की स्मृति को पूरी तरह से मिटा देंगे।

## निर्गमन 18:1

**यित्रो कौन थे?**

यित्रो मिद्यान के याजक और मूसा के ससुर थे।

## निर्गमन 18:2–4

**मूसा के दो पुत्रों के क्या नाम थे?**

मूसा के पुत्र गेर्शोम और एलीएजेर थे।



## निर्गमन 18:6

**जब यित्रो मूसा की पत्नी और बेटों को लेकर आए, तब वे कहाँ थे?**

जब मूसा जंगल में परमेश्वर के पर्वत पर डेरा डाले हुए थे, तब यित्रो मूसा के पुत्रों और उनकी पत्नी को उनके पास लेकर आए।

## निर्गमन 18:7

**मूसा ने अपने ससुर का स्वागत कैसे किया?**

मूसा ने उन्होंने दण्डवत् करके चूमा।

## निर्गमन 18:9

**यित्रो किस बात से मगन हुए?**

यित्रो ने उस समस्त भलाई के कारण जो यहोवा ने इस्राएलियों के साथ की थी कि उन्हें मिस्रियों के वश से छुड़ाया था, सुन कर मगन हुए।

## निर्गमन 18:11

**यित्रो ने कैसे जान लिया कि यहोवा सभी देवताओं में बड़े हैं?**

यित्रो ने जान लिया है कि यहोवा सब देवताओं से बड़े हैं क्योंकि जब मिस्रियों ने इस्राएलियों के साथ अहंकारपूर्ण व्यवहार किया, तब परमेश्वर ने अपने लोगों को बचाया।

## निर्गमन 18:12

**परमेश्वर के आगे भोजन किसने किया?**

हारून और इस्राएलियों के सब पुरनियो समेत मूसा के ससुर यित्रो के संग परमेश्वर के आगे भोजन करने को आए।

## निर्गमन 18:13

**लोग मूसा के आस पास कैसे खड़े रहते थे जब मूसा लोगों का न्याय करने को बैठते थे?**

लोग मूसा के आस पास भोर से साँझ तक खड़े रहते थे जब मूसा लोगों का न्याय करने को बैठते थे।

## निर्गमन 18:15–16

**लोग मूसा के पास क्यों आते थे?**

जब कोई मुकद्दमा होता, तो उनके बीच न्याय करने और परमेश्वर की विधि और व्यवस्था समझने के लिए लोग मूसा के पास आया करते थे।

## निर्गमन 18:17–18

**यित्रो ने क्यों कहा कि जो काम तू करता है वह अच्छा नहीं?**

यित्रो ने इसलिए कहा कि जो काम तू करता है वह अच्छा नहीं क्योंकि स्वयं मूसा और वे लोग जो उसके संग थे निश्चय थक जाएँगे और यह काम बहुत भारी था जिसे अकेले नहीं किया जा सकता था।

## निर्गमन 18:21

**यित्रो ने मूसा से लोगों पर नियुक्त करने के लिए किस प्रकार के पुरुषों को छाँटने की सलाह दी?**

यित्रो ने मूसा से कहा कि सब लोगों में से ऐसे पुरुष छाँट ले, जो गुणी, और परमेश्वर का भय माननेवाले, सच्चे, और अन्याय के लाभ से घृणा करनेवाले हों।

## निर्गमन 18:22

**कौन से मामलों में ये योग्य पुरुष लोगों का न्याय किया करेंगे?**

योग्य पुरुष सब समय लोगों का न्याय करेंगे, और सब बड़े-बड़े मुकद्दमों को मूसा के पास लाया करेंगे । परन्तु छोटे-छोटे मुकद्दमों का न्याय आप ही किया करेंगे।

## निर्गमन 19:1

**इस्राएल के लोग सीनै के जंगल में कब आए?**

इस्राएलियों को मिस्र देश से निकले हुए जिस दिन तीन महीने बीत चुके, उसी दिन वे सीनै के जंगल में पहुँचे।



## निर्गमन 19:5

**यदि इस्राएली यहोवा के निज धन ठहरना चाहते, तो उन्हें क्या करना था?**

इस्राएलियों को यहोवा के निज धन ठहरने के लिए उनकी आज्ञा मानना और उनके वाचा का पालन करना था।

## निर्गमन 19:9

**यहोवा बादल के अंधियारे में होकर क्यों आते थे?**

यहोवा बादल के अंधियारे में होकर इसलिए आते थे ताकि जब वो मूसा से बातें करें तब सब लोग सुनें, और सदा उस पर विश्वास करें।

## निर्गमन 19:10

**लोगों को स्वयं को पवित्र कैसे करना चाहिए था?**

यहोवा के पास आने के लिए लोग अपने वस्त्र धो कर स्वयं को पवित्र करना था।

## निर्गमन 19:12

**जो कोई पहाड़ को छूएगा, उसके साथ क्या होगा?**

जो कोई पहाड़ को छूएगा, वह निश्चय रूप से मार डाला जाएगा।

## निर्गमन 19:13

**जो कोई पर्वत को छूता, लोगों उन्हे मार डालने के लिए क्या निर्देश दिया गया था?**

जो कोई पर्वत को छूता, उस पर पथराव किया जाता, या उसे तीर से छेदा जाता था ।

## निर्गमन 19:16

**लोग क्यों काँप उठे?**

पर्वत पर बादल गरजने और बिजली चमकने लगी और काली घटा छा गई फिर नरसिंगे का शब्द बड़ा भारी हुआ जिससे जितने लोग थे सब काँप उठे।

## निर्गमन 19:22

**याजकों को क्या करना चाहिए ताकि यहोवा उन पर टूट न पड़े?**

याजक जो यहोवा के समीप आया करते हैं उन्हे अपने को पवित्र करना था, ताकि यहोवा उन पर टूट न पड़े।

## निर्गमन 19:24

**मूसा के साथ पर्वत पर कौन आ सकता था?**

केवल हारून मूसा के साथ पर्वत पर आ सकते थे।

## निर्गमन 20:3

**इस्राएलियों के पास यहोवा को छोड़ किसे क्या न मानने की आज्ञा थी।**

इस्राएलियों के पास यहोवा को छोड़ दूसरों को परमेश्वर करके न मानने की आज्ञा थी।

## निर्गमन 20:4-5

**इस्राएलियों को मूर्ति खोदकर क्यों नहीं बनाना चाहिए या उनको दण्डवत् न करना चाहिए?**

इस्राएलियों को मूर्ति खोदकर नहीं बनाना चाहिए या उनको दण्डवत् नहीं करना चाहिए क्योंकि यहोवा जलन रखनेवाला परमेश्वर हैं।

## निर्गमन 20:5

**यहोवा पितरों की दुष्टता के लिए कब तक दंड देते हैं?**

जो यहोवा से बैर रखते हैं, उनके बेटों, पोतों, और परपोतों को भी वो पितरों का दण्ड दिया करते हैं।

## निर्गमन 20:7

**किसका नाम इस्राएलियों को व्यर्थ में नहीं लेना चाहिए।**

इस्राएलियों को अपने परमेश्वर यहोवा के नाम का व्यर्थ में नहीं लेना चाहिए।



## निर्गमन 20:8

**इस्राएलियों को विश्रामदिन में विश्राम क्यों करना चाहिए और उसे को पवित्र क्यों मानना चाहिए?**

इस्राएलियों को विश्रामदिन में विश्राम और उसे पवित्र इसलिए मानना चाहिए क्योंकि यहोवा ने विश्रामदिन को आशीष दीया और उसको पवित्र ठहराया।

## निर्गमन 20:10

**विश्रामदिन को किसे पवित्र रखना हैं और उस दिन विश्राम कौन करे?**

किसी भी इस्राएली को किसी भाँति का काम-काज करना नहीं करना चाहिए, न वे स्वयं, न उनके बेटे, न उनकी बेटी, न उनके पुरुष दास, न उनकी दासी, न उनके पशु, और न कोई परदेशी जो तेरे फाटकों के भीतर हो।

## निर्गमन 20:11

**इस्राएलियों को विश्रामदिन को पवित्र क्यों मानना चाहिए और उस दिन विश्राम क्यों करना चाहिए?**

इस्राएलियों को विश्रामदिन को पवित्र मानना चाहिए और उस दिन विश्राम करना चाहिए, क्योंकि छह दिनों में यहोवा ने आकाश, पृथ्वी और समुद्र और उनमें जो कुछ भी है, उसे बनाया, और फिर सातवें दिन विश्राम किया।

## निर्गमन 20:12

**इस्राएलियों को अपने माता-पिता का आदर करने का क्या प्रतिफल मिलेगा?**

इस्राएलियों को अपने माता-पिता का आदर करना चाहिए ताकि वे उस देश जिसे परमेश्वर यहोवा उन्हे देंगे बहुत लंबे समय तक रहने पाए।

## निर्गमन 20:18

**लोग क्यों काँप गए?**

सब लोग पर्वत से गरजने और बिजली और नरसिंगे के शब्द सुनते, और धुआँ उठते देख काँप गए और दूर खड़े हो गए।

## निर्गमन 20:19

**यदि परमेश्वर उनसे बात करेंगे तो इस्राएलियों का क्या मानना था कि क्या होगा?**

इस्राएलियों का यह मानना था कि यदि परमेश्वर उनसे बात करेंगे तो वे मर जाएंगे।

## निर्गमन 20:25

**यदि इस्राएलियों ने पत्थर की वेदी पर अपने हथियार का उपयोग किया तो क्या होता?**

यदि वे अपने हथियार का उपयोग पत्थर की वेदी पर करेंगे, तो वे इसे अशुद्ध कर देंगे।

## निर्गमन 21:1

**इस्राएलियों को नियम कौन समझाएगा ?**

मूसा इस्राएलियों को नियम समझाएगें।

## निर्गमन 21:4

**यदि एक स्वामी ने एक दास को पत्नी दी और उसने उससे बेटे या बेटियाँ उत्पन्न हुई हों, और यदि दास स्वतंत्र हो जाता है, तो उसकी पत्नी और बच्चों का क्या होगा।**

यदि एक स्वामी ने एक दास को पत्नी दी और उसने उससे बेटे या बेटियाँ उत्पन्न हुई हों, तो उसकी पत्नी और बालक उस स्वामी के ही रहेंगे, और वह अकेले स्वतंत्र होगा।

## निर्गमन 21:6

**यदि दास स्वतंत्र होकर न जाना चाहे, तो क्या परिणाम होगा?**

यदि दास स्वतंत्र नहीं होना चाहता, तो स्वामी उसको द्वार के किवाड़ या बाजू के पास ले जाकर उसके कान में सुतारी से छेद करेंगा; तब वह सदा उसकी सेवा करता रहेगा।

## निर्गमन 21:8

**स्वामी एक दासी को किसे नहीं बेच सकते?**

किसी स्वामी को किसी दासी को विदेशी लोगों को बेचने का कोई अधिकार नहीं होगा।



## निर्गमन 21:9–11

**एक दासी बिना दाम चुकाए कब स्वतंत्र हो जा सकती है?**

यदि एक स्वामी ने उसे अपने बेटे को ब्याह दिया हो, और फिर वह अपने लिए दूसरी पत्नी कर ले, तो भी वह उसका भोजन, वस्त्र, और संगति नही घटा सकता। और यदि वह इन तीन बातों में घटी करे, तो वह स्त्री सेंत-मेंत बिना दाम चुकाए ही चली जा सकती है।

## निर्गमन 21:13

**यहोवा ने उस व्यक्ति के लिए क्या व्यवस्था की जिसने अनजाने में किसी को मार दिया?**

यदि किसी व्यक्ति से अनजाने में किसी की हत्या कर देता हैं, तो यहोवा उनके लिए एक स्थान ठहराएगे जहाँ वह भाग कर जा सकते हैं।

## निर्गमन 21:17

**जो अपने पिता या माता को श्राप दे उसके साथ क्या होना चाहिए?**

जो अपने पिता या माता को श्राप देत हैं, उसे निश्चित रूप से मार डाला जाएगा।

## निर्गमन 21:18–19

**यदि पुरुष लड़ते हैं और एक दूसरे को पत्थर या अपनी मुट्ठी से मारते हैं और दूसरा अपने बिछौने तक सीमित हो जाता है, तो जिसने उसे मारा है, उसे क्या करना चाहिए?**

यदि पुरुष लड़ते हैं और एक दूसरे को पत्थर या अपनी मुट्ठी से मारते हैं और दूसरा अपने बिछौने तक सीमित हो जाता है, तो जिसने उसे मारा है, उसे उसके समय के नुकसान की भरपाई करनी होगी।

## निर्गमन 21:20–21

**यदि कोई अपने दास या दासी को सोंटे से ऐसा मारे, परन्तु यदि वह दो एक दिन जीवित रहे, तो उसके स्वामी को दण्ड क्यों न दिया जाए?**

यदि कोई अपने दास या दासी को सोंटे से ऐसा मारे, परन्तु यदि वह दो एक दिन जीवित रहे, तो उसके स्वामी को दण्ड न दिया जाए, क्योंकि वह दास उसका धन है।

## निर्गमन 21:22

**यदि मनुष्य आपस में मारपीट करके किसी गर्भवती स्त्री को ऐसी चोट पहुँचाए, कि उसका गर्भ गिर जाए, परन्तु और कुछ हानि न हो, तो मारनेवाले के साथ क्या किया जाना चाहिए?**

यदि मनुष्य आपस में मारपीट करके किसी गर्भवती स्त्री को ऐसी चोट पहुँचाए, कि उसका गर्भ गिर जाए, परन्तु और कुछ हानि न हो, तो मारनेवाले से उतना दण्ड लिया जाए जितना उस स्त्री का पति पंच की सम्मति से ठहराए।

## निर्गमन 21:23–25

**यदि हानि पहुँचे तो दोषी व्यक्ति को क्या दण्ड था?**

यदि हानि पहुँचे, तो दोषी व्यक्ति को तो प्राण के बदले प्राण, आंख के बदले आंख, दाँत के बदले दाँत, हाथ के बदले हाथ, पाँव के बदले पाँव, दाग के बदले दाग, घाव के बदले घाव, या मार के बदले मार का दण्ड होगी।

## निर्गमन 21:26–27

**यदि कोई अपने दास या दासी की आँख पर ऐसा मारे कि फूट जाए, या दास या दासी को मारकर उसका दाँत तोड़ डाले, तो उसके बदले उसे क्या करना होगा।**

यदि कोई अपने दास या दासी की आँख पर ऐसा मारे कि फूट जाए, या दास या दासी को मारकर उसका दाँत तोड़ डाले, तो उसे आँख या दाँत के बदले उस सेवक को स्वतंत्र कर के जाने देना होगा।

## निर्गमन 21:29

**यदि उस बैल की पहले से सींग मारने की आदत पड़ी हो, और उसके स्वामी ने जताए जाने पर भी उसको न बाँध रखा हो, और वह किसी पुरुष या स्त्री को मार डाले, तब उस बैल और उसके स्वामी के साथ क्या होगा?**

यदि उस बैल की पहले से सींग मारने की आदत पड़ी हो, और उसके स्वामी ने जताए जाने पर भी उसको न बाँध रखा हो, और वह किसी पुरुष या स्त्री को मार डाले, तब उस बैल को पथरवाह किया जाएगा, और उसके स्वामी को भी मार डाला जाएगा।



## निर्गमन 21:33–34

**यदि कोई मनुष्य गड्ढा खोलकर या खोदकर उसको न ढाँपे, और उसमें किसी का बैल या गदहा गिर पड़े है, तो जिसका वह गड्ढा हो उसे क्या करना होगा?**

यदि कोई मनुष्य गड्ढा खोलकर या खोदकर उसको न ढाँपे, और उसमें किसी का बैल या गदहा गिर पड़े, तो जिसका वह गड्ढा हो वह उस हानि को भरे; वह पशु के स्वामी को उसका मोल दे।

## निर्गमन 21:35

**यदि किसी का बैल किसी दूसरे के बैल को ऐसी चोट लगाए, कि वह मर जाए, तो जीवित बैल के साथ क्या किया जाना चाहिए?**

यदि किसी का बैल किसी दूसरे के बैल को ऐसी चोट लगाए, कि वह मर जाए, तो वे दोनों मनुष्य जीवित बैल को बेचकर उसका मोल आपस में आधा-आधा बाँट लें, और लोथ को भी वैसा ही बाँटें।

## निर्गमन 22:2–3

**यदि कोई सूर्य निकलने के बाद यदि कोई चोर को मारे और वो मर जाए, तो दोषी कौन होगा?**

यदि कोई सूर्य निकलने के बाद कोई चोर को मारे और वो मर जाए, तो उसे मारने वाले पर खून का दोष लगेगा।

## निर्गमन 22:3

**यदि चोर के पास भरपाई के लिए कुछ न हो, तो उसके साथ क्या किया जाएगा?**

यदि चोर के पास भरपाई के लिए कुछ न हो, तो उसे उसकी चोरी के लिए बेच दिया जाएगा।

## निर्गमन 22:7–8

**यदि कोई दूसरे को रुपये या सामग्री की धरोहर धरे, और वह उसके घर से चोरी हो जाता है, और यदि चोर न पकड़ा जाए, तो क्या किया जाएगा?**

यदि कोई दूसरे को रुपये या सामग्री की धरोहर धरे, और वह उसके घर से चोरी हो जाता है, और यदि चोर न पकड़ा जाए, तो घर का स्वामी परमेश्वर के पास लाया जाए कि निश्चय हो जाए कि उसने अपने भाई-बन्धु की सम्पत्ति पर हाथ लगाया है या नहीं।

## निर्गमन 22:10–11

**यदि कोई दूसरे को गदहा या बैल या भेड़-बकरी या कोई और पशु रखने के लिये सौंपे, और किसी के बिना देखे वह मर जाए, या चोट खाए, या हाँक दिया जाए, तो उसकी भरपाई कैसे की जाएगी?**

यदि कोई दूसरे को गदहा या बैल या भेड़-बकरी या कोई और पशु रखने के लिये सौंपे, और किसी के बिना देखे वह मर जाए, या चोट खाए, या हाँक दिया जाए, तो उसे कुछ भी भरपाई नहीं देना होगा।

## निर्गमन 22:16

**यदि कोई पुरुष किसी कन्या को जिसके ब्याह की बात न लगी हो फुसलाकर उसके संग कुकर्म करे, तो उसे अपनी पत्नी कैसे बनाए।**

यदि कोई पुरुष किसी कन्या को जिसके ब्याह की बात न लगी हो फुसलाकर उसके संग कुकर्म करे, तो वह निश्चय उसका मोल देकर उसे ब्याह कर अपनी पत्नी बना ले।

## निर्गमन 22:21

**इस्राएलियों को क्यों किसी परदेशी को न सताना और न उस पर अंधेर करना चाहिए?**

इस्राएलियों को किसी परदेशी को न सताना और न उस पर अंधेर करना चाहिए क्योंकि मिस्र देश में वे भी परदेशी थे।

## निर्गमन 22:22–24

**यदि इस्राएली किसी विधवा या अनाथ बालक को दुःख दे, तो क्या होगा?**

यदि इस्राएली किसी विधवा या अनाथ बालक को दुःख दे और वे यहोवा को दुहाई दें, तो निश्चय रूप से यहोवा उनकी दुहाई सुनेंगे। यहोवा का क्रोध भड़केगा, और वह उन्हें तलवार से मारवा डालेंगे; और उनकी पत्नियाँ विधवा हो जाएँगी, और उनके बच्चे अनाथ हो जाएँगे।

## निर्गमन 22:26

**यदि कोई अपने भाई-बन्धु के वस्त्र को बन्धक करके रख भी ले, तो उसे वह कब लौटाना चाहिए?**



यदि कोई अपने भाई-बन्धु के वस्त्र को बन्धक करके रख ले, तो सूर्य के अस्त होने तक उसको लौटा देना चाहिए।

## निर्गमन 22:31

**इस्राएलियों को कौन सा माँस नहीं खाना चाहिए, और उन्हें इसके साथ क्या करना चाहिए?**

इस्राएलियों को जो पशु मैदान में फाड़ा हुआ पड़ा मिले उसका माँस नहीं खाना चाहिए, और उसको कुत्तों के आगे फेंक देना चाहिए।

## निर्गमन 23:5

**यदि कोई अपने बैरी के गदहे को बोझ के मारे दबा हुआ देखे, तो उन्हें क्या करना चाहिए।**

यदि कोई अपने बैरी के गदहे को बोझ के मारे दबा हुआ देखे, तो चाहे उसको उसके स्वामी के लिये छुड़ाने के लिये उसका मन न चाहे, तो भी अवश्य स्वामी का साथ देकर उसे छुड़ाना चाहिए।

## निर्गमन 23:8

**इस्राएलियों को घूस क्यों नहीं लेनी चाहिए?**

इस्राएलियों को घूस नहीं लेनी चाहिए, क्योंकि घूस देखनेवालों को अंधा कर देता, और धर्मियों की बातें पलट देता है।

## निर्गमन 23:11

**इस्राएलियों को सातवें वर्ष में अपने खेतों को बिना जोते क्यों छोड़ना था?**

सातवें वर्ष में इस्राएलियों को अपने खेतों को बिना जोते छोड़ देना चाहिए था ताकि उनके भाई-बन्धुओं में के दरिद्र लोग उससे खाने पाएँ।

## निर्गमन 23:12

**इस्राएलियों को सातवें दिन विश्राम क्यों करना था?**

इस्राएलियों को सातवें दिन विश्राम करना था ताकि उनके बैल और गदहे सुस्ताएँ, और उनके दासियों के बेटे और परदेशी भी अपना जी ठंडा कर सके।

## निर्गमन 23:15

**अख़मीरी रोटी का पर्व किस महीने में मनाया जाता था?**

अख़मीरी रोटी का पर्व अबीब के महीने में मनाया जाना चाहिए था।

## निर्गमन 23:15 (#2)

**इस्राएली मिस्र से किस महीने में निकल आए थे?**

इस्राएली मिस्र से अबीब के महीने में मिस्र से निकले आए थे।

## निर्गमन 23:16

**कटनी का पर्व और बटोरन का पर्व कब मनाए जाना चाहिए था?**

जब उनकी बोई हुई खेती की पहली उपज तैयार हो, तब कटनी का पर्व मानना था। और वर्ष के अन्त में जब वे परिश्रम के फल बटोरकर ढेर लगाए, तब बटोरन का पर्व मानना चाहिए था।

## निर्गमन 23:18

**यहोवा के पर्व के उत्तम बलिदान को कब तक रखा जा सकता था?**

यहोवा के पर्व के उत्तम बलिदान को सवेरे तक रखा जा सकता था।

## निर्गमन 23:21

**यदि इस्राएली यहोवा का विरोध करेंगे तो उसका परिणाम क्या होगा?**

यदि इस्राएली यहोवा का विरोध करेंगे तो परिणामस्वरूप, वह उनके अपराधों को क्षमा नहीं करेंगे।

## निर्गमन 23:24

**इस्राएलियों को दूसरों के देवताओं के साथ क्या करना चाहिए?**

इस्राएलियों को दूसरों के देवताओं की मूरतों को पूरी रीति से सत्यानाश कर डालना, और उन लोगों की लाटों के टुकड़े-टुकड़े कर देना।

## निर्गमन 23:29

**यहोवा इस्राएलियों के आगे से एक ही वर्ष में विदेशी देशों को क्यों नहीं निकालेंगे?**

यहोवा इस्राएलियों के आगे से एक ही वर्ष में विदेशी देशों को नहीं निकालेंगे ताकि ऐसा न हो कि देश उजाड़ हो जाए, और जंगली पशु बढ़कर उनको दुःख देने लगें।

## निर्गमन 23:33

**दूसरे देश के निवासियों को इस्राएलियों के देश में क्यों नहीं रहना चाहिए?**

दूसरे देश के निवासियों को इस्राएलियों के देश में नहीं रहना चाहिए, क्योंकि वे इस्राएलियों को यहोवा के विरुद्ध पाप कराएंगे।

## निर्गमन 24:1

**कितने पुरनियों को यहोवा के पास ऊपर आकर दूर से दण्डवत् करना था?**

सत्तर पुरनियों को यहोवा के पास ऊपर आकर दूर से दण्डवत् करना था।

## निर्गमन 24:4

**बारह खम्भे किसका प्रतिनिधित्व करेंगे?**

बारह खम्भे इस्राएल के बारह गोत्रों का प्रतिनिधित्व करेंगे।

## निर्गमन 24:5–6

**मूसा द्वारा यहोवा के लिये बैलों के मेलबलि में चढ़ाए गए लहू को कहाँ रखा?**

मूसा द्वारा यहोवा के लिये बैलों के मेलबलि में चढ़ाए गए लहू को लेकर कटोरों में रखा, और आधा वेदी पर छिड़क दिया।

## निर्गमन 24:8

**यहोवा ने इस्राएलियों के साथ वाचा कैसे बाँधी?**

यहोवा ने इस्राएलियों के ऊपर लहू छिड़ककर और अपने वचनों द्वारा वाचा बाँधी है।

## निर्गमन 24:9–10

**परमेश्वर का दर्शन किसने किया?**

मूसा, हारून, नादाब, अबीहू, और इस्राएलियों के सत्तर पुरनियों ने यहोवा का दर्शन किया।

## निर्गमन 24:12

**यहोवा ने मूसा को पत्थर की पटियाएँ, व्यवस्था और आज्ञाएँ क्यों प्रदान कीं?**

यहोवा ने मूसा को पत्थर की पटियाएँ, व्यवस्था और आज्ञाएँ प्रदान की ताकि मूसा उनको सिखाए।

## निर्गमन 24:14

**यदि किसी का मुकद्दमा हो, तो उसे किसके पास जाना चाहिए?**

यदि किसी का मुकद्दमा हो, तो उन्हें हारून और हूर के पास जाना चाहिए।

## निर्गमन 24:17

**यहोवा का तेज कैसा था?**

यहोवा का तेज पर्वत की चोटी पर प्रचण्ड आग सा देख पड़ता था।

## निर्गमन 25:2

**इस्राएलियों को किससे भेंट लेनी चाहिए?**

इस्राएलियों को भेंट प्रतिएक व्यक्ति से जो अपनी इच्छा से देना चाहें उन्हीं से लेना चाहिए।

## निर्गमन 25:7

**सुलैमानी पत्थर और मणि किसमें जड़ने के लिए थे?**

सुलैमानी पत्थर और मणि एपोद और चपरास मे जड़ें जाने के लिए थे।

## निर्गमन 25:8

**इस्राएली यहोवा के लिए पवित्रस्थान क्यूँ बनाएँ?**

इस्राएली यहोवा के लिए एक पवित्रस्थान बनाएंगे ताकि वे उनके बीच निवास कर सकें।



## निर्गमन 25:10–11

**मूसा को बबूल की लकड़ी के सन्दूक को किससे मढ़वाना था?**

मूसा को बबूल की लकड़ी के सन्दूक को शुद्ध सोने से भीतर और बाहर मढ़वाना था ।

## निर्गमन 25:14

**मूसा को डंडों को कहा डालना था? और क्यों ?**

मूसा को डंडों को सन्दूक की दोनों ओर के कड़ों में डालना जिससे उनके बल द्वारा सन्दूक उठाया जाए।

## निर्गमन 25:15

**डंडे को कहाँ लगे रहने देना चाहिए?**

डंडे को सन्दूक के कड़ों में लगे रहने देना चाहिए। और उससे अलग नहीं करना चाहिए।

## निर्गमन 25:20

**करूबों का मुख किस ओर होना चाहिए?**

करूबों का मुख आमने-सामने और प्रायश्चित के ढकने की ओर होना चाहिए।

## निर्गमन 25:22

**यहोवा मूसा से कहाँ से वार्तालाप करेंगे?**

यहोवा मूसा से प्रायश्चित ढक्कन के ऊपर करूबों के बीच में से जो साक्षीपत्र के सन्दूक पर हैं वहाँ से वार्तालाप करेंगे।

## निर्गमन 25:23–24

**बबूल की लकड़ी की मेज के ऊपर पर मूसा को किससे बाड़ बनवाना था?**

उन्हे बबूल की लकड़ी की मेज के चारों ओर सोने का एक बाड़ बनवाना था ।

## निर्गमन 25:27

**कड़े बनवाकर मेज के चारों कोनों में क्यों लगवाना थे?**

कड़े पटरी के पास ही थे, ताकि डंडों के घरों का काम दें और मेज उन्हीं के बल उठाई जाए।

## निर्गमन 25:29

**उण्डेलने के लिए क्या उपयोग किया जाना चाहिए था?**

उण्डेलने के कटोरे, जो शुद्ध सोने के बने हो उनका उपयोग किया जाना चाहिए था।

## निर्गमन 25:31-32

**सोने के दीवट के किनारों से कितनी डालियाँ बाहर निकलनी चाहिए थी?**

सोने की दीवट के किनारों से छः डालियाँ निकली थी, जिसमें तीन डालियाँ तो दीवट की एक ओर से और तीन डालियाँ उसकी दूसरी ओर से थी।

## निर्गमन 25:33-34

**दीवट के किस भाग पर बादाम के फूल के समान चार पुष्पकोष बने थे?**

दीवट की डण्डी में बादाम के फूल के समान चार पुष्पकोष बने थे।

## निर्गमन 25:35

**डालियों में से दो-दो डालियों के नीचे क्या होना आवश्यक था?**

डालियों में से दो-दो डालियों के नीचे एक-एक गाँठ होना आवश्यक था।

## निर्गमन 25:39

**मूसा को दीवट और उसके समस्त सामान बनाने के लिए कितना सोना उपयोग करना चाहिए?**

मूसा को दीवट और उसके समस्त सामान बनाने के लिए किक्कार भर शुद्ध सोने उपयोग करना था।



## निर्गमन 26:1

**मूसा को निवास-स्थान के लिये दस पर्दे कैसे बनाने थे।**

मूसा को निवास-स्थान के लिये दस पर्दे अत्यंत कुशल कारीगरो से बटी हुई सनीवाले और नीले, बैंगनी और लाल रंग के कपड़े का कढ़ाई के काम किए हुए करूबों के साथ बनवाना था।

## निर्गमन 26:5

**मूसा को दोनों छोरों में पचास-पचास फंदे कैसे लगाने चाहिए?**

मूसा को दोनों छोरों में पचास-पचास फंदे ऐसे लगवाने थे कि वे आमने-सामने हों।

## निर्गमन 26:7

**मूसा को निवास के ऊपर तम्बू का काम करने के लिए पर्दे किस से बनवाना था?**

मूसा को निवास के ऊपर तम्बू का काम करने के लिए बकरियों के बालों से पर्दे बनाने थे।

## निर्गमन 26:12

**तम्बू के परदों का लटका हुआ भाग किस ओर लटका रहेगा?**

तम्बू के परदों का लटका हुआ भाग निवास की पिछली ओर लटका रहेगा।

## निर्गमन 26:17

**एक-एक तख्ते को एक दूसरे से जोड़े रहने के लिए क्या होना चाहिए?**

एक-एक तख्ते में एक दूसरे से जोड़ी हुई दो-दो चूलें होंने चाहिए।

## निर्गमन 26:19

**एक तख्त के नीचे कितनी कुर्सियाँ बनानी था?**

एक-एक तख्ते के नीचे उसके चूलों के लिये दो-दो कुर्सियाँ बनानी था।

## निर्गमन 26:30

**मूसा को निवास को किस रीति से खड़ा करना था?**

मूसा को निवास को उस रीति से खड़ा करना था जैसा पर्वत पर परमेश्वर ने उन्हे दिखाया था।

## निर्गमन 26:33

**परदे का उद्देश्य क्या था?**

परदा पवित्रस्थान को परमपवित्र स्थान से अलग करने के लिए था।

## निर्गमन 26:35

**निवास के किस ओर दीवट को रखना था?**

दीवट को निवास के दक्षिण ओर मेज के सामने रखना था।

## निर्गमन 27:2

**मूसा को वेदी के चार कोनों में क्या बनाना था?**

मूसा को वेदी के चारों कोनों पर चार सींग बनाना था।

## निर्गमन 27:3

**मूसा को वेदी के सभी पात्र किस धातु से बनाना था?**

मूसा को सभी पात्र पीतल से बनाना था।

## निर्गमन 27:9

**निवास के आँगन के दक्षिणी ओर का बनावना किस प्रकार की थी?**

निवास के आँगन के दक्षिणी ओर सूक्ष्म सनी के कपड़े के परदे थे जिसकी लम्बाई सौ हाथ की थी।

## निर्गमन 27:19

**निवास के भाँति-भाँति के बर्तन और सब सामान और उसके सब खूँटे और आँगन के भी सब खूँटे किस सामग्री से बने होने चाहिए?**



निवास के भाँति-भाँति के बर्तन और सब सामान और उसके सब खूँटे और आँगन के भी सब खूँटे पीतल के होनी चाहिए।

## निर्गमन 27:21

**कौन सी विधि इस्राएलियों की पीढ़ियों के लिये सदैव बनी रहेगी?**

इस्राएलियों की पीढ़ियों के लिये सदैव यह विधि बनी रहेगी की हारून और उसके पुत्र साँझ से भोर तक यहोवा के सामने दीवट सजा कर रखें।

## निर्गमन 28:1

**यहोवा के सन्मुख कौन याजक का काम करेंगे?**

हारून और उनके पुत्र—नादाब, अबीहू, एलीआजर, और ईतामार—यहोवा के सन्मुख याजक का काम करेंगे।

## Exodus 28:5

**याजकों के वस्त्रों के लिए कारीगरों को कौन-कौन सी सामग्री का उपयोग करना था?**

कारीगरों को सोने और नीले और बैंगनी और लाल रंग का और सूक्ष्म सनी के कपड़े से याजकों का वस्त्र बनाना था।

## निर्गमन 28:9

**दो सुलैमानी मणि लेकर उन पर क्या खुदवाना था?**

दो सुलैमानी मणि लेकर उन पर इस्राएल के पुत्रों के नाम खुदवाना था।

## निर्गमन 28:10

**इस्राएल के पुत्रों के नाम दो सुलैमानी मणि में किस क्रम में खुदवाना था?**

इस्राएल के पुत्रों के नाम दो सुलैमानी मणि में उनके उत्पत्ति के अनुसार खुदवाना था।

## निर्गमन 28:12

हारून इज़राइल के पुत्रों के नाम यहोवा के आगे अपने दोनों कंधों पर स्मरण के लिये लगाएगे?

क्योंकि दोनों मणियों को जिसमें पुत्रों के नाम हैं एपोद के कंधों पर लगवाया जाएगा, इसलिए हारून यहोवा को स्मरण कराने के लिए उनके नाम अपने दोनों कंधों पर स्मरण के लिये लगाएगे।

## निर्गमन 28:15–16

**न्याय का चपरास कैसा होना चाहिए?**

न्याय का चपरास चौकोर और दोहरी हो, और उसकी लम्बाई और चौड़ाई एक-एक बिलांद की होनी चाहिए।

## निर्गमन 28:17

**मणि को कैसे जड़ा था?**

मणियों को चार पंक्तियों में, प्रत्येक पंक्ति को तीन की संख्या में लगाया जाना था।

## निर्गमन 28:20

**मणि को कैसे जड़ा जाना था?**

मणि सोने के खानों में जड़ा जाना था ।

## निर्गमन 28:24

**मूसा को सोने की दो जंजीरों को कहाँ लगाना था?**

मूसा को सोने के दोनों गूँथे जंजीरों को उन दोनों कड़ियों में जो चपरास के सिरों पर थी लगवाना था।

## निर्गमन 28:28

**मूसा को चपरास की कड़ियों के द्वारा एपोद की कड़ियों से क्यों बाँधना था?**

मूसा को चपरास की कड़ियों के द्वारा एपोद की कड़ियों से इसलिए बाँधना था ताकी एपोद के काढ़े हुए पटुके पर बनी रहे और चपरास एपोद से अलग न होने पाए।

## निर्गमन 28:30

**न्याय की चपरास में मूसा को क्या रखना था?**

न्याय की चपरास में मूसा को ऊरीम और तुम्मीम रखना था।

## निर्गमन 28:31–32

**एपोद के बागे को किस रंग का बनवाना था?**

एपोद के बागे को सम्पूर्ण नीले रंग का बनवाना था।

## निर्गमन 28:35

**हारून उस बागे को सेवा टहल करने के समय क्यों पहना था?**

हारून उस बागे को सेवा टहल करने के समय पहना था ताकि जब जब वह पवित्रस्थान के भीतर यहोवा के सामने जाए, या बाहर निकले, तब-तब उसका शब्द सुनाई दे, नहीं तो वह मर जाएगा।

## निर्गमन 28:36–38

**कैसे इस्राएलियों द्वारा पवित्र वस्तुओ की भेंट में चढ़ाए गए पवित्र वस्तुओं का दोष हारून पर होगा?**

इस्राएलियों द्वारा पवित्र वस्तुओ की भेंट में चढ़ाए गए पवित्र वस्तुओं का दोष हारून पर होगा जब वो सोने का एक टीके में यह अक्षर खोद कर पगड़ी के समान पहने।

## निर्गमन 28:40

**हारून के पुत्रों के वैभव और शोभा के लिए मूसा को क्या बनवाना था?**

हारून के पुत्रों के वैभव और शोभा के लिए अंगरखे, कमरबन्द और टोपियाँ बनवाना था।

## निर्गमन 28:42

जाँघिया द्वारा तन को कहाँ तक ढँपाना था ?

जाँघिये को कमर से जाँघ तक तन ढँपाना था।

## निर्गमन 29:1–2

**हारून और उनके पुत्रों को पवित्र करने के लिए क्या करनाा था?**

हारून और उनके पुत्रों को पवित्र करने के लिए निम्नलिखित लाना आवश्यक था: एक निर्दोष बछड़ा और दो निर्दोष मेढ़े, और अख़मीरी रोटी, और तेल से सने हुए मैदे के अख़मीरी फुलके, और तेल से चुपड़ी हुई अख़मीरी पपड़ियाँ भी जो गेहूँ के मैदे से बनाया गया हो।

## निर्गमन 29:4

**मूसा को हारून और उनके बेटों को किससे नहलाना था?**

मूसा को हारून और उनके पुत्रों को जल से नहलाना था।

## निर्गमन 29:9

याजक के पद पर सदा हक़ किसका रहेगा?

याजक के पद पर सदा हक़ हारून और उनके पुत्रों का रहेगा।

## निर्गमन 29:13

**मूसा को चर्बी जिससे अंतड़ियाँ ढपी रहती हैं, कलेजे के ऊपर की झिल्ली और दोनों गुर्दों के ऊपर की चर्बी के साथ क्या करना था?**

मूसा को चर्बी जिससे अंतड़ियाँ ढपी रहती हैं, कलेजे के ऊपर की झिल्ली और दोनों गुर्दों के ऊपर की चर्बी को ले कर वेदी में जलाना था।

## निर्गमन 29:18

**मेढ़े का वेदी पर जलाना यहोवा के लिए क्या उत्पन्न करेगा?**

मेढ़े का वेदी पर जलाना यहोवा के लिए सुखदायक सुगन्ध और हवन होगा।

## निर्गमन 29:20

**मूसा को मेढ़े की बलि के साथ क्या करना था?**

उसे उसके लहू में से कुछ लेकर हारून और उसके पुत्रों के दाहिने कान के सिरे पर, और उनके दाहिने हाथ और दाहिने पाँव के अँगूठों पर लगाना, और लहू को वेदी पर चारों ओर छिड़कना था।

## निर्गमन 29:21

**मूसा को हारून और उसके वस्त्रों पर, और उसके पुत्रों और उनके वस्त्रों पर क्या छिड़कना था?**

मूसा को हारून और उसके वस्त्रों पर, और उसके पुत्रों और उनके वस्त्रों पर अभिषेक के तेल को छिड़कना था।

## निर्गमन 29:22

**मेढ़ किसके लिए था?**

मेढ़े संस्कारवाले थे जिन्हे याजक द्वारा यहोवा के लिए बलि करके चढ़ाया जाना था।

## निर्गमन 29:26–28

**सदा की विधि की रीति पर हारून और उनके पुत्रों के लिए ठहराया गया?**

हारून और उसके पुत्रों के लिए संस्कार का जो मेढ़ा होगा, उसमें से हिलाए जाने की भेंटवाली छाती, और उठाए जाने का भेंटवाला पुट्ठा, सदा के लिए ठहराया गया।

## निर्गमन 29:30

**अगला याजक कौन होगा?**

हारून के पुत्र उसके स्थान पर याजक होगे।

## निर्गमन 29:31

**संस्कार के मेढ़ को कैसे पकाना था?**

संस्कार के मेढ़े का माँस किसी पवित्रस्थान में पकाना था।

## निर्गमन 29:37

**वेदी को परमपवित्र ठहराने के पश्चात यदि कोई उसे छू ले तो क्या होगा?**

वेदी को परमपवित्र ठहराने के पश्चात यदि कोई उसे छू ले तो वो भी पवित्र हो जाएगा।

## निर्गमन 29:39

**मूसा को प्रत्येक भेड़ के बच्चे को कब चढ़ाना था?**

मूसा को एक भेड़ के बच्चे को तो भोर के समय, और दूसरे भेड़ के बच्चे को साँझ के समय चढ़ाना था।

## निर्गमन 29:40

**प्रथम भेड़ के बच्चे के संग क्या देना था?**

प्रथम भेड़ के बच्चे के संग हीन की चौथाई कूटकर निकाले हुए तेल से सना हुआ एपा का दसवाँ भाग मैदा, और अर्घ के लिये ही की चौथाई दाखमधु देना था।

## निर्गमन 29:42

**होमबली कहाँ दी जाने चाहिए थी?**

मिलापवाले तम्बू के द्वार पर ही होमबलि दिया जाना था।

## निर्गमन 29:45

**यहोवा कहाँ निवास करेंगे?**

यहोवा इस्राएलियों के मध्य निवास करेंगे और उनके परमेश्वर ठहरेंगें।

## निर्गमन 30:4

**कड़े का उद्देश्य क्या था ?**

कड़े वेदी को ले जाने के लिए डंडों के खानों का काम करेगी।

## निर्गमन 30:6

**मूसा को सुगन्धित धूप कहाँ रखना था ?**

मूसा को साक्षीपत्र के सन्दूक के सामने है, अर्थात् प्रायश्चितवाले ढकने के आगे सुगन्धित धूप रखना था।



## निर्गमन 30:8–9

**हारून के लिए धूप जलाने का समय क्या था?**

साँझ के समय जब हारून दीपकों को जलाते तब धूप जलाते थे। उस वेदी पर और प्रकार के धूप जलाने की अनुमति नहीं थी।

## निर्गमन 30:10

**हारून को वर्ष में कितनी बार सींगों पर प्रायश्चित करना था?**

हारून को वर्ष में एक बार सींगों पर प्रायश्चित करना था।

## निर्गमन 30:12

**इस्राएलियों को अपने प्राणों के लिये यहोवा को प्रायश्चित क्यों दें?**

इस्राएलियों को अपने प्राणों के लिये यहोवा को प्रायश्चित दे ताकि जब मूसा उनकी गिनती कर रहे हो तो उस समय कोई विपत्ति उन पर न आ पड़े।

## निर्गमन 30:16

**मूसा ने इस्राएलियों से प्रायश्चित का रुपया लेकर कहाँ लगाया?**

मूसा ने इस्राएलियों से प्रायश्चित का रुपया लेकर मिलापवाले तम्बू के काम में लगाया।

## निर्गमन 30:18

**मूसा ने पीतल की एक हौदी को कहा रखा?**

मूसा ने पीतल की एक हौदी को मिलापवाले तम्बू और वेदी के बीच में रखा।

## निर्गमन 30:20

**मिलापवाले तम्बू में प्रवेश करने और वेदी के पास सेवा टहल करने से पहले हारून और उनके पुत्र को क्या करना था?**

मिलापवाले तम्बू में प्रवेश करने और वेदी के पास सेवा टहल करने से पहले हारून और उनके पुत्र को अपने हाथ पाँव जल से धोने थे।

## निर्गमन 30:23-25

**अभिषेक का पवित्र तेल में कौन-कौन से तैयार किया जाता था?**

उत्तम से उत्तम सुगन्ध-द्रव्य ले, अर्थात् पवित्रस्थान के शेकेल के अनुसार पाँच सौ शेकेल अपने आप निकला हुआ गन्धरस, और उसका आधा, अर्थात् ढाई सौ शेकेल सुगन्धित दालचीनी और ढाई सौ शेकेल सुगन्धित अगर, और पाँच सौ शेकेल तज, और एक हीन जैतून का तेल लेकर उनसे अभिषेक का पवित्र तेल तैयार किया जाता था।

## निर्गमन 30:32

**पवित्र अभिषेक तेल का उपयोग कैसे नहीं किया जाना चाहिए?**

यह किसी मनुष्य की देह पर नहीं डालाना चाहिए, और मिलावट में उसके समान और कुछ नहीं बनाना चाहिए क्योंकि यह पवित्र हैं।

## निर्गमन 30:33

**यदि कोई व्यक्ति पवित्र सुगन्धित द्रव्य जैसी कुछ बनाए या इसमें से कुछ पराए कुलवाले पर लगाए तो क्या होगा?**

यदि कोई व्यक्ति पवित्र सुगन्धित द्रव्य जैसी कुछ बनाए या इसमें से कुछ पराए कुलवाले पर लगाए तो वह अपने लोगों में से नाश किया जाए।

## निर्गमन 30:38

**उस व्यक्ति के साथ क्या होगा जो धूप या पवित्र अभिषेक तेल जैसी कोई चीज़ बनाता है ताकि उसे सूंघ सकें?**

जो कोई सूंघने के लिए उसके समान कुछ बनाएगा, वह अपने लोगों में से नाश किया जाए।

## निर्गमन 31:3-5

**बसलेल के पास कौन-कौन सी योग्ताता होंगी, क्यूँकि यहोवा उनको आत्मा से परिपूर्ण करेंगे?**

जब यहोवा बसलेल को बुद्धि, प्रवीणता, ज्ञान, और सब प्रकार के कार्यों की समझ देनेवाली आत्मा से परिपूर्ण करेंगे तो वो कारीगरी के कार्य बुद्धि से निकाल निकालकर सब भाँति की बनावट में, अर्थात् सोने, चाँदी, और पीतल में, और जड़ने के लिये मणि काटने में, और लकड़ी पर नक्काशी का काम करेंगे—सभी प्रकार की कारीगरी करने के लिए।



## निर्गमन 31:6

**यहोवा ने जितने बुद्धिमान थे, उन सभी के हृदय में बुद्धि क्यों दी?**

यहोवा ने जितने बुद्धिमान थे, उन सभी के हृदय में बुद्धि दी, जिससे जितनी वस्तुओं की आज्ञा यहोवा ने उन्हे दी है उन सभी को वे बनाएँ।

## निर्गमन 31:14

**विश्रामदिन के दिन को यदि कोई अपवित्र करे या कुछ काम-काज करे तो उसके साथ क्या होगा?**

विश्रामदिन के दिन को यदि कोई अपवित्र करे वह निश्चय मार डाला जाएगा या कुछ काम-काज करे तो वो प्राणी अपने लोगों के बीच से नाश किया जाए।

## निर्गमन 31:17

**विश्राम का दिन यहोवा और इस्राएलियों के बीच सदा का एक चिन्ह क्यों रहेगा?**

विश्राम का दिन यहोवा और इस्राएलियों के बीच सदा का एक चिन्ह रहेगा, क्योंकि छः दिन में यहोवा ने आकाश और पृथ्वी को बनाया, और सातवें दिन विश्राम करके अपना जी ठंडा किया।

## निर्गमन 31:18

**साक्षी देनेवाली पत्थर की दोनों तख्तियाँ किसने लिखीं?**

साक्षी देनेवाली पत्थर की दोनों तख्तियाँ परमेश्वर ने अपने उँगली से लिख कर मूसा को दी।

## निर्गमन 32:1

**लोग हारून के पास इकट्ठे होकर कब कहने लगे की अब हमारे लिये देवता बना?**

जब लोगों ने देखा कि मूसा को पर्वत से उतरने में विलम्ब हो रहा है, तब वे हारून के पास इकट्ठे होकर कहने लगे अब हमारे लिये देवता बना।

## निर्गमन 32:4

**किसने लोगों के हाथों से सोना लिया और एक बछड़ा ढालकर बनाया, और टाँकी से गढ़ा?**

हारून ने लोगों के हाथों से सोना लिया और एक बछड़ा ढालकर बनाया, और टाँकी से गढ़ा।

## निर्गमन 32:6

**लोगों ने होमबलि चढ़ाने और मेलबलि लाने के बाद क्या किया?**

लोग होमबलि चढ़ाने और मेलबलि लाने के बाद, बैठकर खाए पिए, और उठकर खेलने लगे।

## निर्गमन 32:8

**लोगों ने क्या कहा कि, उनका ईश्वर कौन हैं जो उन्हे मिस्र देश से छुड़ा ले आया है?**

लोगों ने कहा कि एक सोने का बछड़ा उनका ईश्वर हैं जो उन्हें मिस्र देश से छुड़ा ले आया है।

## निर्गमन 32:11

**जब यहोवा कोप भड़का, तब मूसा ने क्या किया?**

जब यहोवा कोप भड़का, तब मूसा उन्हे मनाने लगा।

## निर्गमन 32:14

**यहोवा किस बात से पछताया?**

यहोवा अपनी प्रजा की हानि करने से जो उसने कहा था पछताया।

## निर्गमन 32:15

**यहोवा ने साक्षी की तख्तियों के किन हिस्सों पर लिखवाया?**

यहोवा ने तख्तियों के तो इधर और उधर दोनों ओर लिखा हुआ था।



## निर्गमन 32:17

**जब यहोशू ने लोगों के कोलाहल का शब्द सुना, तब उसने मूसा से क्या कहा?**

जब यहोशू ने लोगों के कोलाहल का शब्द सुना, तब उसने मूसा से कहा कि छावनी से लड़ाई का सा शब्द सुनाई देता है।

## निर्गमन 32:19

**जब मूसा ने बछड़े को देखा, तो उन्होंने तख्तियों के साथ क्या किया?**

जब मूसा ने बछड़े को देखा, तो उन्होंने तख्तियों को अपने हाथों से पर्वत के नीचे पटककर तोड़ डाला।

## निर्गमन 32:20

**मूसा ने बछड़े के साथ क्या किया?**

मूसा ने उस बछड़े को लेकर आग में डालकर फूँक दिया। और पीसकर चूर चूर कर डाला, और जल के ऊपर फेंक दिया, और इस्राएलियों को उसे पिलवा दिया।

## निर्गमन 32:24

**हारून के अनुसार, बछड़ा कैसे बनाया गया था?**

हारून के अनुसार, लोगों ने उन्हें सोना दिया और उसने उन्हें आग में डाल दिया, तब यह बछड़ा निकल पड़ा।

## निर्गमन 32:25

**लोगों को निरंकुश किसने कर दिया था?**

हारून ने लोगों को निरंकुश कर दिया था।

## निर्गमन 32:26

**जब मूसा ने कहा जो कोई यहोवा की ओर का हो वह मेरे पास आए, तब कौन उसके पास इकट्ठा हुए?**

जब मूसा ने कहा जो कोई यहोवा की ओर का हो वह मेरे पास आए, तब सारे लेवीय उसके पास इकट्ठा हुए।

## निर्गमन 32:28

**लेवियों ने क्या किया?**

मूसा के वचन के अनुसार लेवियों ने उस दिन तीन हजार के लगभग लोगो को मार डाला गया।

## निर्गमन 32:29

**लेवियों को यहोवा के लिये अपना याजकपद का संस्कार क्यों करना पड़ा?**

लेवियों को यहोवा के लिये अपना याजकपद का संस्कार करना पड़ा, क्योंकि उन्हे अपने बेटों और भाई के विरुद्ध कार्य किया था जिसके कारण वे यहोवा के आशीष के पात्र बने।

## निर्गमन 32:32

**मूसा यह चाहते थे कि यहोवा क्या करें यदि वे लोगों के पापों को क्षमा नहीं करते।**

मूसा चाहते थे कि यदि यहोवा लोगों के पापों को क्षमा नहीं करेंगे, तो यहोवा अपनी लिखी पुस्तक में से उनके नाम को काट दे।

## निर्गमन 32:35

**जबकि उन्होंने बछड़ा बनाया था यहोवा ने लोगों को कैसे दंडित किया?**

यहोवा ने लोगों पर विपत्ति भेजी क्योंकि उन्होंने बछड़ा बनाया था।

## निर्गमन 33:2

**यहोवा ने कहा कि वह मूसा के आगे-आगे क्या भेजेंगे?**

यहोवा ने कहा कि वो मूसा के आगे-आगे एक दूत भेजेंगे।

## निर्गमन 33:3

**यहोवा मूसा के बीच में होकर क्यों नहीं गए?**

यहोवा मूसा के बीच में होकर नहीं गए, क्योंकि वे हठी लोग थे। और यहोवा ऐसा नहीं चाहते थे की मार्ग में वे उनका अन्त कर दे।

## निर्गमन 33:5

**यहोवा ने इस्राएलियों को क्या उतारने का निर्देश दिया?**



यहोवा ने इस्राएलियों को अपने-अपने गहने उतारने को कहा।

## निर्गमन 33:9

**जब मूसा तम्बू में प्रवेश करते थे, तब क्या होता था ?**

जब मूसा उस तम्बू में प्रवेश करते थे, तब बादल का खम्भा उतरकर तम्बू के द्वार पर ठहर जाता था, और यहोवा मूसा से बातें करने लगते थे।

## निर्गमन 33:11

**यहोवा मूसा से किस प्रकार बातें करते थे?**

यहोवा मूसा से इस प्रकार आमने-सामने बातें करते थे, जिस प्रकार कोई अपने भाई से बातें करता हैं।

## निर्गमन 33:13

**मूसा यहोवा से क्या चाहते थे? क्यों?**

मूसा यहोवा से अनुग्रह की दृष्टि चाहते थे ताकि वह उनकी गति समझ सके और उनसे ज्ञान पा सके।

## निर्गमन 33:16

**यह कैसे जाना जाए कि यहोवा की अनुग्रह की दृष्टि मूसा पर हैं?**

यह तब जाना जाएगा जो यहोवा मूसा और अपनी प्रजा के संग-संग चलेंगे, जिससे मूसा और उनकी प्रजा के लोग पृथ्वी भर के सब लोगों से अलग ठहरेंगे।

## निर्गमन 33:19

**यहोवा ने क्या कहाँ की वो किस पर अनुग्रह और दया करेंगे?**

यहोवा ने कहा कि जिस पर मैं अनुग्रह करना चाहूँ उसी पर अनुग्रह करूँगा, और जिस पर दया करना चाहूँ उसी पर दया करूँगा।

## निर्गमन 33:20

**मूसा यहोवा के मुख का दर्शन क्यों नहीं कर सकते थे?**

मूसा यहोवा के मुख का दर्शन नहीं कर सकते थे, क्योंकि मनुष्य उनके मुख का दर्शन करके जीवित नहीं रह सकता।

## निर्गमन 33:23

**जब यहोवा अपना हाथ उठा लेंगे, तब मूसा किसका दर्शन पाएगा?**

जब यहोवा अपना हाथ उठा लेंगे, तब मूसा उनकी पीठ का दर्शन पाएगा।

## निर्गमन 34:1

**यहोवा नई तख्तियों पर क्या लिखेंगे?**

जो वचन पहली तख्तियों पर लिखे थे, जिन्हें मूसा ने तोड़ डाला था, वही वचन यहोवा नई तख्तियों पर भी लिखेंगे।

## निर्गमन 34:3

**पर्वत पर चढ़ने की अनुमति किसे थी?**

मूसा के अतिरिक्त किसी को भी पर्वत पर चढ़ने की अनुमति नहीं थी।

## निर्गमन 34:5

**जब यहोवा बादल में उतरकर मूसा के संग वहाँ खड़े हुए, तब उन्होंने क्या कहा?**

जब यहोवा बादल में उतरकर मूसा के संग वहाँ खड़े हुए, तब उन्होंने यहोवा नाम का प्रचार किया।

## निर्गमन 34:7

**क्या यहोवा दोषी को किसी प्रकार से निर्दोष ठहराएगा?**

यहोवा दोषी को किसी प्रकार निर्दोष न ठहराएगे।

## निर्गमन 34:10

**यहोवा क्या बाँधने वाले थे?**

यहोवा एक वाचा बाँधने वाले हैं।



## निर्गमन 34:12

**यदि इस्राएली जिस देश में वे जानेवाले है उसके निवासियों से वाचा बाँधे, तो क्या होता?**

यदि इस्राएली जिस देश में वे जानेवाले है उसके निवासियों से वाचा बाँधते हैं तो वह उनके लिये फंदा ठहरेगा।

## निर्गमन 34:14

**इस्राएलियों को किसी दूसरे को परमेश्वर करके दण्डवत् क्यों नहीं करना चाहिए?**

इस्राएलियों को किसी दूसरे को परमेश्वर करके दण्डवत् नहीं करना चाहिए क्योंकि यहोवा, जिसका नाम जलनशील है, वह जल उठनेवाला परमेश्वर है।

## निर्गमन 34:15–16

**यदि इस्राएल देश के निवासियों का बलिपशु का प्रसाद खाए तो क्या होगा?**

यदि इस्राएली उस देश के निवासियों का बलिपशु का प्रसाद खाए तो तू उनकी बेटियों को अपने (इस्राएली) बेटों के लिये लाएगा, और उनकी बेटियाँ जो आप अपने देवताओं के पीछे होने का व्यभिचार करती हैं तेरे बेटों से भी अपने देवताओं के पीछे होने को व्यभिचार करवाएँगी ।

## निर्गमन 34:18

**इस्राएलियों को अबीब महीने के नियत समय पर सात दिनों तक अख़मीरी रोटी क्यों खाना था?**

इस्राएलियों को अबीब महीने के नियत समय पर सात दिन तक अख़मीरी रोटी खाना था; क्योंकि वे मिस्र से अबीब महीने में निकल बाहर आए थे।

## निर्गमन 34:20

**यदि इस्राएली गदही के पहलौठे के बदले मेम्ना देकर उसको छुड़ाना न चाहे, तो क्या करना होगा?**

यदि इस्राएली गदही के पहलौठे के बदले मेम्ना देकर उसको छुड़ाना न चाहे तो उसकी गर्दन तोड़नी पड़ती थी।

## निर्गमन 34:21

**इस्राएलियों को सातवें दिन क्या करना चाहिए, हल जोतने और लवने के समय में भी?**

इस्राएलियों को सातवें दिन विश्राम करना; वरन् हल जोतने और लवने के समय में भी विश्राम करना हैं।

## निर्गमन 34:23

**सब पुरुष इस्राएल के परमेश्वर प्रभु यहोवा को अपने मुँह को कितनी बार दिखाएँ?**

सब पुरुष इस्राएल के परमेश्वर प्रभु यहोवा को अपने मुँह को वर्ष में तीन बार दिखाएँ।

## निर्गमन 34:24

**जब इस्राएली अपने परमेश्वर यहोवा को अपना मुँह दिखाने के लिये वर्ष में तीन बार आया करेंगे, तब कौन उनकी भूमि का लालच करेगा?**

जब इस्राएली अपने परमेश्वर यहोवा को अपना मुँह दिखाने के लिये वर्ष में तीन बार आया करेंगे, तब कोई भी उनकी भूमि का लालच नहीं करेगा।

## निर्गमन 34:26

**इस्राएलियों को यहोवा के भवन में क्या लाना था?**

इस्राएलियों को अपने परमेश्वर यहोवा के भवन में अपनी भूमि की पहली उपज का पहला भाग लाना था।

## निर्गमन 34:28

**जब मूसा यहोवा के संग चालीस दिन और रात रहे, तब उन्होंने क्या नहीं किया?**

जब मूसा यहोवा के संग चालीस दिन और रात रहे, तब उन्होंने न तो रोटी खाई और न पानी पिया।

## निर्गमन 34:30

**जब हारून और इस्राएलियों ने मूसा को देखे, तो वे उनके पास आने से क्यों डर गए ?**



जब हारून और इस्राएलियों ने मूसा को देखा, तो उन्होंने देखा कि उसके चेहरे से किरणें निकलती हैं, तब वे उसके पास जाने से डर गए।

## निर्गमन 34:33

**जब तक मूसा उनसे बात न कर चुके तब तक उन्होंने अपने मुँह पर क्या डाले रखा?**

जब तक मूसा उनसे बात न कर चुके तब तक उन्होंने अपने मुँह पर ओढ़ना डाले रखा।

## निर्गमन 34:34

**मूसा ओढ़नी कब उतारे रहते था?**

जब भी मूसा यहोवा के सामने उनसे बात करने के लिए जाते उस समय वो अपनी ओढनी उतारे रहते थे।

## निर्गमन 35:3

**इस्राएलियों को कब अपने घरों में आग नहीं जलानी थी?**

उन्हें विश्राम के दिन अपने-अपने घर में आग नहीं जलानी थी।

## निर्गमन 35:5

**यहोवा के लिए भेंट कौन ला सकता था?**

जितने अपनी इच्छा से देना चाहें वे यहोवा के लिए भेंट ला सकते थे।

## निर्गमन 35:20

**इस्राएलियों की सारी मण्डली कहाँ गईं?**

इस्राएलियों की सारी मण्डली मूसा के सामने से लौट गई।

## निर्गमन 35:21

**मिलापवाले तम्बू के काम करने के लिये कौन यहोवा की भेंट ले आने लगे?**

जितनों को उत्साह हुआ, और जितनों के मन में ऐसी इच्छा उत्पन्न हुई थी, वे मिलापवाले तम्बू के काम करने के लिये यहोवा की भेंट ले आने लगे।

## निर्गमन 35:27

**एपोद और चपरास में जड़ने के लिए क्या चाहिए था?**

एपोद और चपरास के लिये सुलैमानी मणि, और जड़ने के लिये मणि चाहिए था।

## निर्गमन 35:30

**यहोवा ने किसे नाम लेकर बुलाया?**

यहोवा ने यहूदा के गोत्रवाले बसलेल को, जो ऊरी का पुत्र और हूर का पोता है, नाम लेकर बुलाया।

## निर्गमन 36:1

**पवित्रस्थान की सेवकाई के लिये सब प्रकार के काम कौन करेगा?**

बसलेल और ओहोलीआब और सब बुद्धिमान जिनको यहोवा ने ऐसी बुद्धि और समझ दी, कि वे यहोवा की सारी आज्ञाओं के अनुसार पवित्रस्थान की सेवकाई के लिये सब प्रकार का काम करे, वे करेंगे ।

## निर्गमन 36:3

**लोग क्या कर रहे थे?**

लोग प्रति भोर को मूसा के पास भेंट अपनी इच्छा से लाते थे।

## निर्गमन 36:6

**मूसा ने सारी छावनी मे किस आज्ञा का प्रचार करवाया?**

मूसा ने सारी छावनी में इस आज्ञा का प्रचार करवाया कि कोई भी पवित्रस्थान के लिये और भेंट न लाए।

## निर्गमन 36:11

**बसलेल ने फंदे कहाँ लगाए थे?**

बसलेल ने जहाँ पर्दे जोड़े गए थे वहाँ की दोनों छोरों पर उसने नीले-नीले फंदे लगाए।

## निर्गमन 36:13

**बसलेल ने परदों को एक दूसरे से कैसे जोड़ा?**

उन्होंने सोने की पचास अंकड़े बनाए, और उनके द्वारा परदों को एक दूसरे से ऐसा जोड़ा।

## निर्गमन 36:18

**बसलेल ने पीतल की पचास अंकड़े क्यों बनाए?**

बसलेल ने तम्बू के जोड़ने के लिये पीतल की पचास अंकड़े बनाए जिससे वह एक हो जाए।

## निर्गमन 36:24

तख्तो के नीचे कितनी कुर्सियाँ थी?

एक-एक तख्त के नीचे दो कुर्सियाँ।

## निर्गमन 36:33

**बसलेल ने बीचवाले बेंड़े किस लिए बनाया?**

उन्होंने बीचवाले बेंड़े को तख्तों के मध्य में तम्बू के एक सिरे से दूसरे सिरे तक पहुँचने के लिये बनाया।

## निर्गमन 36:38

**बसलेल ने पाँच खम्भे को किससे मढ़ा था?**

बसलेल ने पाँच खम्भे को सोने से मढ़ा था।

## निर्गमन 37:1

**बसलेल ने सन्दूक किस सामग्री से बनाया था?**

बसलेल ने बबूल की लकड़ी का संदूक बनाया था।

## निर्गमन 37:5

**बसलेल ने सन्दूक के दोनों ओर कड़े क्यों डाले थे?**

उन्होंने सन्दूक के दोनों ओर कड़े डाले ताकि उनके बल सन्दूक उठाया जाए।

## निर्गमन 37:9

**करूब के मुख किस ओर किए हुए थे?**

करुब के मुख आमने-सामने थे, प्रायश्चित के ढकने की ओर।

## निर्गमन 37:16

**मेज पर का सामान क्या था?**

मेज पर का सामान था परात, धूपदान, कटोरे, और उण्डेलने के बर्तन।

## निर्गमन 37:19

**दीवट से निकली हुई डालियों में क्या बना था?**

दीवट से निकली हुई छहों डालियों में एक-एक डाली में बादाम के फूल के सरीखे तीन-तीन पुष्पकोष, एक-एक गाँठ, और एक-एक फूल बने हुए थे।

## निर्गमन 37:24

**बसलेल ने दीवट और सारे सामान बनाने के लिए कितना सोना प्रयोग किया?**

सारे सामान समेत दीवट को बसलेल किक्कार भर सोने का बनाया।

## निर्गमन 37:26

**धूपवेदी के चारों ओर क्या था?**

धूपवेदी के चारों ओर सोने की एक बाड़ थी।

## निर्गमन 37:29

**अभिषेक का पवित्र तेल, और सुगन्ध-द्रव्य का धूप किसने बनाया?**

बसलेल ने अभिषेक का पवित्र तेल, और सुगन्ध-द्रव्य का धूप बनाया।

## निर्गमन 38:1

**होम बलि के लिए वेदी की लंबाई और चौड़ाई कितनी थी?**

होम बलि के लिए वेदी की लम्बाई पाँच हाथ और चौड़ाई पाँच हाथ की थी।



## निर्गमन 38:7

**बसलेल ने वेदी कैसे बनाया?**

उन्होंने वेदी को तख्तों से खोखली बनाया।

## निर्गमन 38:8

**दर्पण किनके थे?**

दर्पण मिलापवाले तम्बू के द्वार पर सेवा करनेवाली महिलाओं के थे।

## निर्गमन 38:16

**आँगन के चारों ओर सब पर्दे किस कपड़े के बने हुए थे?**

आँगन के चारों ओर सब पर्दे सूक्ष्म बटी हुई सनी के कपड़े के बने हुए थे।

## निर्गमन 38:17

**आँगन के कितने खम्भे चाँदी के छड़ों से जोड़े गए थे?**

आँगन के सब खम्भे चाँदी के छड़ों से जोड़े हुए थे।

## निर्गमन 38:21

**लेवियों के सेवाकार्य के लिए बने सामान की गिनती किसने किया?**

लेवियों के सेवाकार्य के लिए बने सामान की गिनती हारून याजक के पुत्र ईतामार ने की थी।

## निर्गमन 38:24

**पवित्रस्थान के सारे काम में कितना सोना लगा?**

पवित्रस्थान के सारे काम में जो भेंट का सोना लगा वह पवित्रस्थान के शेकेल के हिसाब से उनतीस किक्कार, और सात सौ तीस शेकेल था।

## निर्गमन 38:26

**जनगणना में 20 वर्ष और उससे अधिक आयु के कितने पुरुषों की गणना की गई?**

जनगणना में बीस वर्ष के और उससे अधिक आयु के छः लाख तीन हजार साढ़े पाँच सौ पुरुष थे।

## निर्गमन 39:5

**एपोद के साथ काढ़ा हुआ पटुका कैसे बनाया गया था?**

एपोद को कसने के लिये जो काढ़ा हुआ पटुका उस पर बना था, वह उसके साथ बिना जोड़ का, और एपोद की बनावट के अनुसार था।

## निर्गमन 39:6

**इस्राएल के पुत्रों के नाम किस पर खोदा जाता था?**

सुलैमानी मणि को काटकर उस में इस्राएल के पुत्रों के नाम खोदे जाते थे।

## Exodus 39:10

**चपरास / सीनाबन्ध पर कितनी पंक्तियों में बहुमूल्य मणि थे?**

चपरास / सीनाबन्ध पर चार पंक्तियों में मणि जड़े।

## निर्गमन 39:17–18

**गूँथी हुई जंजीर किसे जोड़ती थी?**

गूँथी हुई जंजीरें चपरास के सिरों पर की दोनों कड़ियों से लेकर बाकी सिरों को दोनो खानों में जो एपोद के सामने दोनों कंधों के बन्धनों पर लगाया गया था जोड़ती थी।

## निर्गमन 39:21

**चपरास को उसकी कड़ियों के द्वारा एपोद की कड़ियों में नीले फीते से क्यों बाँधा गया?**

चपरास को उसकी कड़ियों के द्वारा एपोद की कड़ियों में नीले फीते से बाँधा गया, ताकि वह एपोद के काढ़े हुए पटुके के ऊपर रहे, और चपरास एपोद से अलग न होने पाए।

## निर्गमन 39:22–23

**एपोद के बागे के बीच में क्या था?**



एपोद के बागे के बीच में बख्तर के छेद के समान एक छेद बना था।

## निर्गमन 39:25

**उन्होंने बागे के नीचेवाले घेरे के चारों ओर अनारों के बीचों बीच क्या लगाया?**

उन्होंने शुद्ध सोने की घंटियाँ बनाकर बागे के नीचेवाले घेरे के चारों ओर अनारों के बीचों बीच लगाया।

## निर्गमन 39:30

पवित्र मुकुट की पटरी शुद्ध सोने की बनाई थी उसमें क्या अक्षर खोदे गए थे?

पवित्र मुकुट की पटरी में ये अक्षर खोदे गए थे "यहोवा के लिए पवित्र"।

## निर्गमन 39:43

**मूसा ने सारे काम का निरीक्षण करके क्या देखा?**

मूसा ने सारे काम का निरीक्षण करके देखा कि, उन्होंने सब कुछ यहोवा की आज्ञा के अनुसार किया है।

## निर्गमन 40:2

**मूसा को मिलापवाले तम्बू के निवास को कब खड़ा करना था?**

मूसा को मिलापवाले तम्बू के निवास को पहले महीने के पहले दिन खड़ा करना था।

## निर्गमन 40:3

**मूसा को सन्दूक किसकी ओट में कर देना था?**

मूसा को सन्दूक को बीचवाले पर्दे की ओट में कर देना था।

## निर्गमन 40:7

**मूसा को हौदी को कहाँ रखना चाहिए था?**

मूसा को मिलापवाले तम्बू और वेदी के बीच हौदी को रखना था।

## निर्गमन 40:11

**मूसा को पाए समेत हौदी का भी अभिषेक क्यों करना था?**

पाए समेत हौदी का भी अभिषेक कर उसे पवित्र करना चाहिए था क्योंकि वो परमेश्वर की सेवा के लिए इस्तेमाल होगा।

## निर्गमन 40:20

**मूसा ने साक्षीपत्र कहा रखा?**

मूसा ने साक्षीपत्र को सन्दूक में रखा।

## निर्गमन 40:26

**मूसा ने सोने की वेदी को कहा रखा ?**

मूसा ने मिलापवाले तम्बू में बीच के पर्दे के सामने सोने की वेदी को रखा।

## निर्गमन 40:31–32

**मूसा और हारून और उसके पुत्र उसमें अपने-अपने हाथ पाँव कब धोते थे?**

मूसा, हारून, और उनके पुत्र जब जब वे मिलापवाले तम्बू में या वेदी के पास जाते थे तब-तब वे हाथ पाँव धोते थे।

## निर्गमन 40:35

मिलापवाले तम्बू में मूसा प्रवेश क्यों न कर सका?

बादल मिलापवाले तम्बू पर ठहर गया, और यहोवा का तेज निवास-स्थान में भर गया, इस कारण मूसा उसमें प्रवेश न कर सका।

## निर्गमन 40:36

**इस्राएल के लोग अपनी यात्रा के लिए कब कूच करते थे?**

इस्राएलियों की सारी यात्रा में ऐसा होता था, कि जब जब वह बादल निवास के ऊपर से उठ जाता तब-तब वे कूच करते थे।